कोलफील्ड मिरर

COALFIELD MIRROR 24 x 7 हर पल आपके साथ

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

शुभ प्रभात JUPITER FOUNDATION

कोलकाता | रविवार 19 जनवरी 2025 | वर्ष– 8 | अंक– 1257 | पृष्ठ– 6 | RNI (TA)- 2022027633

ममता राज में पहला एनकाउंटर, पुलिस ने एक माफिया को मारी गोली

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (कोलकाता): ममता बनर्जी के राज में पहला एनकाउंटर का मामला सामने आया है. उत्तर दिनाजपुर में पश्चिम बंगाल पुलिस ने एक माफिया को गोली मार दी. वह जेल वैन से भागने की कोशिश कर रहा था इसी दौरान पुलिस ने उसका (माफिया) एनकाउंटर कर दिया. पश्चिम बंगाल के डीजी राजीव कुमार ने पहले ही कहा था कि अगर किसी ने एक गोली मारी तो हम चार मारेंगे.

ममता बनर्जी के शासन में किसी अपराधी को एनकाउंटर कर मार गिराने का यह पहला मामला है. अपराधियों को एनकाउंटर करने को लेकर उत्तर प्रदेश पिछले कुछ सालों से ज्यादा चर्चे में रहा. मगर अब बाकी राज्यों में भी इस तरह के मामले सामने आने लगे हैं. पश्चिम बंगाल में यह इस तरह का पहला केस है. ममता बनर्जी पिछले 14 साल से बंगाल में शासन कर रही हैं.

70 साल की ममता ने 20 मई 2011 पहली राज्य की कमान संभाली थी. 27 मई 2016 को उन्होंने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. इसके बाद साल 2021 में भी उनकी पार्टी की ऐतिहासिक जीत हुई और ममता लगातार तीसरी बार राज्य की बागडोर संभालीं. कांग्रेस की स्टूडेंट इकाई से राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाली ममता एकमात्र मकसद बंगाल की सत्ता से वामपंथियों को बेदखल करना था.

बंगाल से वामपंथियों को बेदखल करे के लिए उन्होंने कई बार अपने सहयोगी बदले. कभी उन्होंने केंद्र में एनडीए का दामन थामा तो कभी कांग्रेस की हाथ पकड़ी. फिर कांग्रेस से अलग होकर अपनी अलग पार्टी का गठन किया. वामपंथियों के करीब साढ़े तीन दशक के लंबे शासन का अंत कर ममता ने पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल की. ममता रेल मंत्री बनने वाली देश की पहली महिला थीं.

ओबीसी सांसदों और बैकवर्ड क्लास ओबीसी कोल एम्पोलाइज वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों के बैठक

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (कोलकाता): लोकसभा पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति संसदीय अध्यक्ष गणेश सिंह (सांसद, सतना) की अध्यक्षता में कलकत्ता आईटीसी सोनार लक्ज़री होटल में ओबीसी सांसदों और बैकवर्ड क्लास ओबीसी कोल एम्पोलाइज वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों के बैठक हुई। जिसमें विभिन्न लोकसभा के सांसद उपस्थित थे। इसके अलावा कोल इंडिया के सभी इकाईयो से ओबीसी के अध्यक्ष, महासचिव अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

मौके पर ओबीसी के महासचिव राजा राम मंडल, अध्यक्ष तारकेश्वर यादव, अनिल पटेल, फकरुदीन शेख सहित अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम पिछड़े वर्ग कल्याण समिति संसदीय अध्यक्ष गणेश सिंह का स्वागत किया गया।

इसकी जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी राम नारायण ने कहा कि बैठक में ओबीसी के केंद्रीय महासचिव जय बहादुर सिंह यादव ने 27 प्रतिशत आरक्षण और सभी समितियों में भागीदारी सुनिश्चित करने और ओबीसी से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के मुद्दे को सांसद के समक्ष पेश किया एवं आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के आदेश के बाद भी कोल इंडिया अभी भी ओबीसी के कर्मचारियों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाता आ रहा है।

उन्होंने विभागीय पद्दोनती में आरक्षण की मांग की । श्री यादव ने कहा कि बीसीसीएल के आउट सोर्सिंग में काम करने वाले मजदूरों को केंद्र द्वारा निर्धारित वेतनमान नही दिया जा रहा है। कोयला उत्पादन आउट सोर्सिंग के मजदूर करते हैं लेकिन उन्हें डीजीएमएस के गाइड लाइन के अनुरूप सुरक्षा के साधन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। आए दिन ओपनकास्ट खदानों में दुर्घटनाएं होती है। अतः इस पर गंभीरता डीजीएमएस के गाइड लाइन के अनुरूप सुरक्षा के साधन उपलब्ध कराया जाए।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्र.1 आईआईटी खड़गपुर में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (खड़गपुर): पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्र.1आईआईटी खड़गपुर में वार्षिक खेलकूद दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तापस लाहा (छात्र कल्याण उप कुलपति आईआईटी खड़गपुर) उपस्थित रहे।

विद्यालय की प्राचार्या रिकिशा भौमिक, शारीरिक शिक्षक प्रदीप कुमार दे और प्रधानाध्यापक सत्यानंद माझी द्वारा अतिथियों को ग्रीन पोर्ट और स्पोर्ट्स कैप देकर विशेष सम्मान स्वागत किया गया। मशाल प्रज्वलित कर कार्यक्रम का श्रीगणेश हुआ। बालिकाओं ने स्वागत गीत एवं मनमोहक खेल नृत्य प्रस्तुति किया.

इस अवसर पर चारों सदनों के छात्रों ने मार्च पास्ट का प्रदर्शन कर खेल ध्वज को सलामी दी। मार्च पास्ट में सबसे आगे वे खिलाड़ी थे जो राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेलों में अपना प्रदर्शन कर चुके हैं प्राचार्या रिकिशा भौमिक ने विद्यालय की खेल गतिविधियों और छात्रों की उपलब्धियों की एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। खेलकूद के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए खेल को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया तथा सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया विद्यालय के चारों सदन गंगा यमुना गोदावरी और कावेरी के खिलाड़ियों की रिले रेस कनिष्ठ वर्ग और वरिष्ठ वर्ग बालक बालिका तथा अभिभावकों और शिक्षकों के लिए एक दौड़ का आयोजन किया गया

इसमें प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि और प्राचार्या के द्वारा मेडल पहनकर सम्मानित किया गया। वर्ष भर के खेलकूद गतिविधियों में यमुना सदन प्रथम स्थान पर रहा सदन प्रभारी साथी मजूमदार को विद्यार्थियों के साथ ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया. दूसरा स्थान कावेरी सदन, प्रभारी नवनीता दास पीजीटी बायोटेक और तीसरे स्थान पर गोदावरी सदन, प्रभारी मुकीन खान पीजीटी हिंदी पुरस्कृत किए गए वर्ष भर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में वरीयता प्राप्त विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक रजत पदक एवं कांस्य पदक पहनकर सम्मानित किया गया। अतिथि तापस लाहा ने शारीरिक शिक्षक प्रदीप कुमार दे को विशेष धन्यवाद दिया खेल के प्रति इनका समर्पण विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और जोश भरता है प्रदीप कुमार दे लंबे समय से इस विद्यालय में कार्यरत है यह उनकी सेवाकाल का अंतिम खेल दिवस आयोजन है

मुख्य अतिथि ने सभी विद्यार्थियों को खेलकूद के क्षेत्र में हमेशा बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया. इस प्रकार के आयोजन हमारी समृद्धि के लिए आवश्यक है. उपस्थित सभी विद्यार्थियों और अभिभावकों को अल्पाहार वितरित किया गया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बेरोजगार युवाओ को रोजगार के लिए बंद बाजार परिसर को फिर से खोलने की पहल

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (पुरुलिया): वामपंथी शासन काल में क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को ध्यान में रखते हुए पाड़ा प्रखंड क्षेत्र में मार्केट कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया गया था। लेकिन योजना के अभाव के कारण बाजार परिसर खुलने के कुछ समय बाद ही बंद कर दिया गया। फिलहाल, तृणमूल द्वारा संचालित पाड़ा पंचायत समिति ने बंद बाजार परिसर को फिर से खोलने की पहल की है।

इसके लिए पंचायत समिति के वित्तीय सहयोग से करीब 41 लाख रुपए की लागत से मार्केट परिसर का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। पेयजल, शौचालय, प्रकाश, सड़क सहित सभी प्रकार की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। काम तेज गति से चल रहा है।

पाड़ा पंचायत समिति के निर्माण प्रबंधक पुलक बनर्जी ने बताया कि बंद बाजार परिसर को फिर से खोलने की पहल की गई है। मार्केट कॉम्प्लेक्स का काम राज्य सरकार के पांचवें वित्त आयोग की राशि से किया जा रहा है। 15 लाख रुपये की लागत से पांच नये स्टॉल बनाये गये हैं।शेष 10 लाख रुपए शेडों पर, 2 लाख रुपए सड़कों पर, 6 लाख रुपए बिजली व्यवस्था पर तथा 8 लाख रुपए बंद पड़े स्टालों की मरम्मत पर खर्च किए जा रहे हैं। बाजार का प्रबंधन पंचायत समिति द्वारा किया जाएगा। प्रत्येक स्टॉल का किराया 1,000 रुपये निर्धारित किया गया है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, वामपंथी शासन के दौरान, स्थायी बाजार उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए ब्लॉक के पास एक मार्केट कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया गया था। योजना यह थी कि लोगों के लिए बाजार परिसर में अनाज, मछली और मांस सहित विभिन्न प्रकार की वस्तुओं को बेचना आसान हो सके।

इसके अलावा, दुकानें भी बनाई गईं ताकि वे स्थायी रूप से अपनी दुकानें लगा सकें। इस मार्केट कॉम्प्लेक्स का निर्माण तत्कालीन वामपंथी सरकार के 10वें वित्त आयोग की धनराशि से किया गया था। 17 अगस्त 2002 को तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने बाजार परिसर का उद्घाटन किया था।

कथित तौर पर, उद्घाटन के बाद बाजार परिसर कुछ महीनों तक चालू रहा। लेकिन उचित योजना के अभाव में इसे बंद कर दिया गया। क्षेत्र के निवासियों से बात करने पर पता चला कि बाजार परिसर में कुल 40 स्टॉल लगाए गए थे। उस समय, क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को, जिन्हें अपने व्यवसाय के लिए स्टॉल की आवश्यकता थी, स्टॉल नहीं दिए गए।

इसके बजाय, अधिकांश स्टॉल उस समय काम चला रहे समूह के रिश्तेदारों, सगे-संबंधियों और परिवार के सदस्यों को वितरित कर दिए गए। परिणामस्वरूप, अधिकांश दुकानें समय पर नहीं खुलीं। धीरे-धीरे दुकानों पर चहल-पहल बंद हो गई।

पंचायत समिति सूत्रों के अनुसार, प्रत्येक स्टॉल मालिक को नोटिस दिया गया है कि क्या वामपंथी शासन के दौरान जिन लोगों ने स्टॉल लिया था, वे अब भी व्यवसाय करना चाहते हैं। शेष स्टॉल, जिनका कोई दावेदार नहीं है, लॉटरी के माध्यम से व्यापारियों को दिए जाएंगे। वामपंथी युग की गलतियों को सुधारते हुए, ये स्टॉल वास्तविक व्यापारियों को दिए जाएंगे। शर्त यह है कि किसी भी स्टॉल पर नशीले पदार्थ, ज्वलनशील पदार्थ या पर्यावरण के लिए खतरनाक उत्पाद बेचने की अनुमति नहीं होगी।

पाड़ा पंचायत समिति के अध्यक्ष दीपक कुंभकार ने बताया कि बाजार परिसर को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए 21 जनवरी से प्रत्येक मंगलवार को साप्ताहिक बाजार लगाया जाएगा। बाजार में अपना सामान बेचने वाले विक्रेताओं की सुविधा के लिए शेड बनाए जा रहे हैं।

कुल्टी में पानी समस्या को लेकर टीएमसी और प्रबंधन के बिच सफल वार्ता, आन्दोलन समाप्त

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (कुल्टी): सेल ग्रोथ वर्क्स कुल्टी प्रबंधन से पीने की पानी की मांग को लेकर शुक्रवार की देर शाम को कुल्टी पुलिस की मध्यस्थता के बाद मेन गेट के पास तृणमूल कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन समाप्त हुआ।

इस संबंध में कुल्टी ब्लांक तृणमूल युवा कांग्रेस के अध्यक्ष विमान दत्ता ने बताया कि पीने के पानी की मांग को लेकर पूर्व में प्रबंधन के साथ दो बार बातचीत हुई। जिसमे कोई नतीजा नहीं निकला था। लेकिन कल दोपहर से फिर आंदोलन शुरू हुआ। आंदोलन की तीव्रता को देखकर प्रबंधन भी परेशान था। कुल्टी थाना के आइसी इंचार्ज कृष्लेंदु दत्ता के आग्रह पर प्रबंधन ने बातचीत को लेकर धरना-प्रदर्शन पर बैठे लोगों को लिखित पत्र भेजा। जिसमे समस्या के हल को तृणमूल कांग्रेस के पांच सदस्यीय एक प्रतिनिधिमंडल सेल ग्रोथ वर्क्स के सीजीएम सुभाशीष सेन गुप्ता से बातचीत को गया।

प्रबंधन के साथ पीने के पानी को लेकर लगभग दो घंटे तक वार्ता हुई। जिसके बाद प्रबंधन झुकने को तैयार हुआ और एक समझौता के तहत पार्ट बाइ पार्ट एक एक दिन छोड़कर बाबू पाड़ा और इंदिरा गांधी न्यू कॉलोनी में पीने के पानी की सप्लाई करेगा। जो कि राहत की बात हैं। प्रबंधन से सकारात्मक बातचीत होने के बाद धरना-प्रदर्शन रात दस बजे समाप्त हुआ।

प्रतिनिधिमंडल में बोरोचैयरमेन शताब्दी भंडारी, युवा के उपाध्यक्ष भोलू खान, पूर्व पार्षद दुलाल चक्रवर्ती, सोदाइ मडंल, अरविंद चट्टोराज, पूर्व पार्षद कृष्णा प्रसाद शामिल थे।

अगले सप्ताह तीन जिलों में प्रशासनिक समीक्षा बैठकें कर सकती हैं, ममता बनर्जी

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (कोलकाता): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अगले सप्ताह तीन जिलों में प्रशासनिक समीक्षा बैठकें कर सकती हैं, जिनमें से पहली बैठक 20 जनवरी को मुर्शिदाबाद में होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मुर्शिदाबाद बैठक के बाद मुख्यमंत्री, मालदा और अलीपुरद्वार का दौरा कर सकती हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री के मुर्शिदाबाद जाने की उम्मीद है, जहां वह लालबाग नवाब बहादुर इंस्टीट्यूशन ग्राउंड में प्रशासनिक समीक्षा बैठक करेंगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री उसी दिन मालदा जाकर 21 जनवरी को समीक्षा बैठक कर सकती हैं। अधिकारी ने बताया कि ममता 22 जनवरी को अलीपुरद्वार में प्रशासनिक समीक्षा बैठक कर सकती हैं और अगले दिन वह अलीपुरद्वार में सुभाषिनी चाय बागान में नेताजी की जयंती मनाएंगी।

24 घंटे के भीतर सालतोड़ा थाना पुलिस ने चोरी हुए ट्रैक्टर बरामद किया

अमन राय

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (बांकूड़ा): सालतोड़ा थाना क्षेत्र के डेमरामोल गांव के निवासी माधब चंद्र माजी ने 17 जनवरी को सालतोड़ा पुलिस स्टेशन मे शिकायत दर्ज कराई की उन्होंने अपने निवास के सामने अपना ट्रैक्टर ट्रॉली सहित खड़ा किया था। रात में अज्ञात बदमाशों ने ट्रैक्टर व ट्रॉली चोरी कर भाग गये| शिकायत मिलने के बाद थाना प्रभारी विश्वनाथ दास के नेतृत्व में एक टीम घटित कर मामले की जांच चल रही थी और 24 घंटे के भीतर पुलिस ने चोरी हुए ट्रैक्टर एवं ट्राली को बरामद कर लिया| इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, अब पुलिस आरोपी को रिमांड में लेकर आगे की पूछताछ कर रही है|

जनसुनवाई में ग्रामीण हुए शामिल, प्रबंधन के साथ कामों में सहयोग करने की बात कही

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (पांडवेश्वर): ईसीएल सोनपुर बाजारी क्षेत्रीय प्रबंधन की ओर से सोनपुर गांव के सामुदायिक भवन में पुनर्वासन को लेकर जन सुनवाई हुई, सुनवाई में खनन के लिए उपयोग में आने वाली जमीन और पर्यावरण मंजूरी को ले विस्तार से चर्चा हुई, जन सुनवाई में पश्चिम बर्धवान के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेड एल एंड एलआर, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एसपीसीबी के प्रतिनिधि के अलावा सोनपुर बाजारी क्षेत्र के महाप्रबंधक आनंद मोहन, ईसीएल के जीएम पर्यावरण, सीएमपीडीआईएल के अधिकारी के गांव के प्रतिनिधि के अलावा सोनपुर बाजारी, भाटमुरा, मधुडांगा, आठसोला, छोरा, हरिपुर और आसपास गांवों के लगभग 200 ग्रामीणों ने भाग लिया,

सुनवाई के दौरान, ग्रामीणों ने सोनपुर बाजारी क्षेत्र में किए गए पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आर एंड आर) प्रयासों की सराहना किया, उन्होंने बुनियादी ढांचे, आजीविका के अवसरों और सामुदायिक कल्याण पहलों को बेहतर बनाने के लिए उठाए गए सक्रिय कदमों की सराहना किया, जिसने क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. एसपीसीबी के प्रतिनिधियों ने परियोजना विस्तार के किसी भी संभावित प्रभाव को कम करने के लिए लागू किए जा रहे पर्यावरण सुरक्षा प्रथाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दिया.

सोनेपुर बाजारी क्षेत्र के महाप्रबंधक आनंद मोहन ने उपस्थित लोगों को पारदर्शी संचार बनाए रखने और पर्यावरण नियमों का पालन करते हुए स्थानीय आबादी की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासों का आश्वासन दिया, जन सुनवाई का सफलतापूर्वक पूरा होने पर क्षेत्र में सतत औद्योगिक विकास को प्राप्त करने, विकास को पारिस्थितिक संरक्षण और सामुदायिक कल्याण के साथ संतुलित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा.

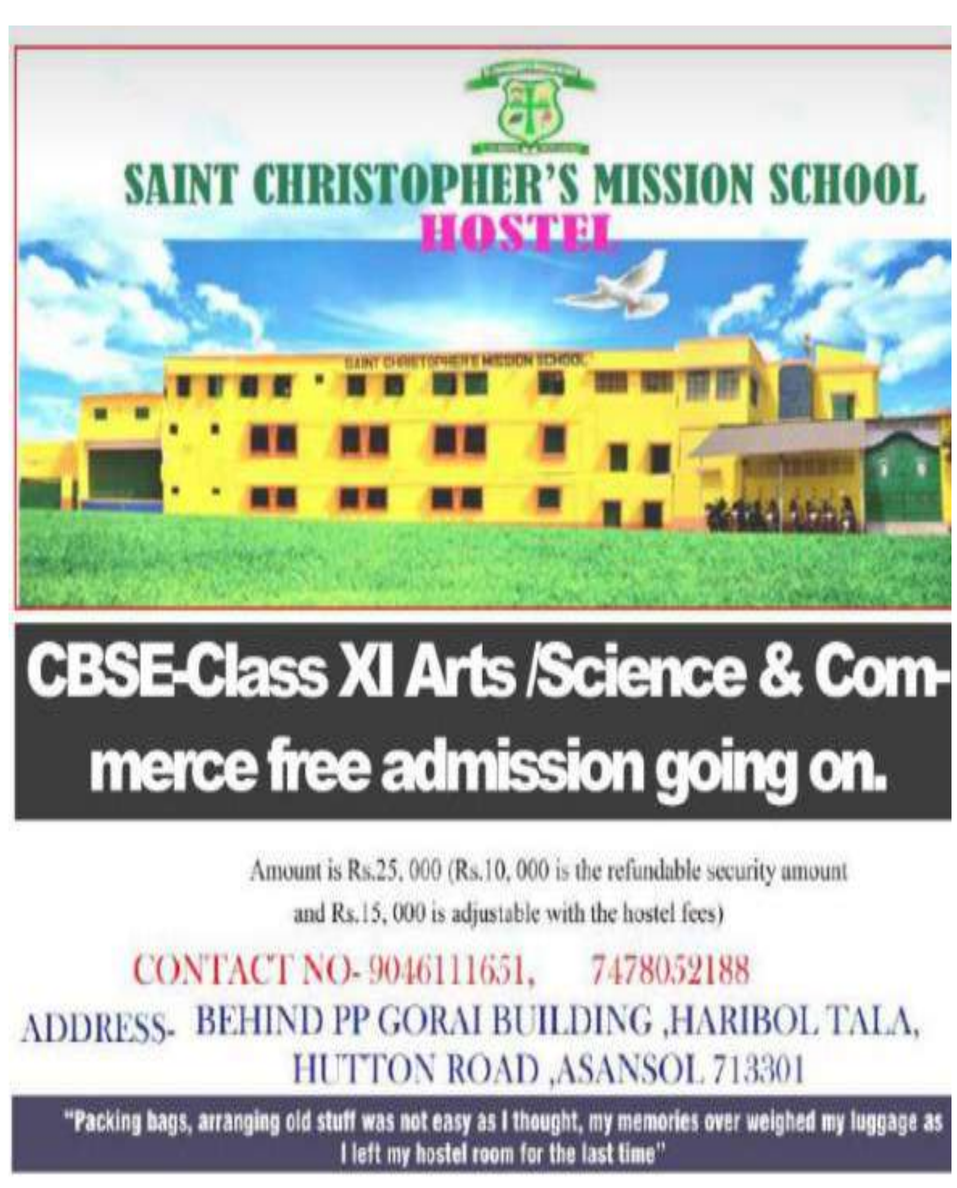

अवैध धंधे के विरोध में सीपीआईएम ने पथ सभा कर पुलिस को सौंपा ज्ञापन

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (कुल्टी): सीपीआईएम कुल्टी 2 नंबर एरिया कमिटी की ओर से कुल्टी बराकर क्षेत्र में अवैध कारोबार के विरोध में पथ सभा कर एक प्रतिनिधि मंडल ने बराकर फाड़ी को ज्ञापन सौंपा,

इस दौरान बैगुनिया मोड पर पार्टी की ओर से पथ सभा का आयोजन किया गया, इस पथ सभा की अध्यक्षता एरिया कमिटी के राधा गोविंद राय ने की, पथ सभा को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता स्वरूप डिवाइएफआई के राज्य कमिटी के विनोद सींग ने कहा कि जिस प्रकार पूरे पश्चिम बंगाल में सिंडिकेट का राज कायम है, उसी प्रकार कुल्टी क्षेत्र में भी अवैध बालू, ड्रग्स,काठी, जुआ , सट्टा, का रमरमा बाजार चल रहा है, क्षेत्र के युवा को दिग्भ्रमित कर गुमराह किया जा रहा है, इस गोरख धंधे को रोकने में पुलिस पूरी तरह नाकाम है, वही बराकर क्षेत्र में पुलिस अच्छी तरह जानती है कि इस ड्रग्स ओर काठी नमक धंधे में कौन कौन लिप्त है, लेकिन पुलिस आज तक किसी को भी गिरफ्तार नहीं कर सकी, इस धंधे के कारण बराकर क्षेत्र में लगातार चोरी की घटना घट रही है, बराकर बैगुनिया के ऐतिहासिक मंदिर के सामने लोहे के पंप की चोरी हो जाती है , वही बराकर क्षेत्र में बालू तस्कर ओर राज्य की सरकार के कारण विभिन्न घाटों में टेंडर नहीं किया जा रहा है, जिसके एवज में बालू चोरी कर चार से पांच हजार ट्रैक्टर के माध्यम से चलाई जा रही है, जिससे गरीब परिवार किसी प्रकार से भी घर नहीं बना पा रहे है, इस दौरान विश्वनाथ बाउरी,मिलन चटराज, ने अपनी ओर से अपना वक्तव्य रखा, सभा के बाद एक प्रतिनिधि मंडल ने बराकर पुलिस फाड़ी में ज्ञापन सौंपा।

बरजोड़ा थाना पुलिस का आई चेक अप कैंप शिविर

अमन राय

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (बांकूड़ा): जिला पुलिस की ओर से समय -समय पर कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत कई सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं| इसी क्रम में जिले के बरजोड़ा थाना पुलिस की ओर से लोकेश्वरानंद नेत्र फाउंडेशन की मदद से आज बरजोड़ा पुलिस स्टेशन के सामुदायिक भवन में 'पलक' नामक एक निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विभिन्न वाहन, टोटो व ऑटो के चालको समेत विभिन्न ग्राम पंचायत के कुल 368 मरीजों की जांच की गयी. वही इनमें से 72 मरीजों को मुफ्त मे मोतियाबिंद सर्जरी के लिए पुरुलिया के पारा इलाके में लोकेश्वरानंद नेत्र अस्पताल में रेफर किया गया है। पुलिस की ओर से आयोजित इस निशुल्क नेत्र शिविर में आए लोगों ने पुलिस को धन्यवाद दिया|

जमुड़िया थाना पुलिस ने साइबर फ्रॉड में गवाएं पैसे को किया बरामद

अमन राय

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (जमुड़िया): आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के जमुड़िया थाने में एक शिकायत के आधार पर चल रही जांच के तहत जमुड़िया थाना पुलिस ने साइबर फ्रॉड में गवाएं पैसे को बरामद किया|

मामला यह है कि जमुड़िया निवासी मिन्मय घोष को मुंबई साइबर सेल से एक कॉल आता है और बताया जाता है कि आपके आधार कार्ड से एक सिम कार्ड लिया गया है और आपके बैंक खाते से सारे पैसे गबन हो जायेंगे, इसलिए आप हमें भेजे| उसके बाद हम जांच करके आपको पैसे लौटा देंगे| उसके बाद इन्होंने पैसे भेज दिए और पैसा वापस नहीं मिला| जीसके पश्चात उन्होंने जमुड़िया थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई|

थाना प्रभारी सोमेंद्र नाथ सिंहो ठाकुर के नेतृत्व में साइबर सेल इस मामले की जांच कर रही थी और पैसे को बरामद करने में सफल रही| इसी के तहत आज जमुड़िया थाने में चेक के माध्यम से उन्हें पैसा लौटए गए| पैसे की राशि 7 लाख 18 हज़ार 944 है| पैसे वापस पाकर उन्होंने पुलिस का धन्यवाद किया और आगे से इस तरह की लापरवाही नहीं करने का आश्वासन दिया|

इस मौके पर रानीगंज सर्किल इंस्पेक्टर सुशांत चटर्जी, थाना प्रभारी सोमेंद्र नाथ सिंह ठाकुर, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे|

शताक्षी महिला मंडल झांझरा की ओर से सामग्री का हुआ वितरण

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (पांडवेश्वर): शताक्षी महिला मंडल, कल्याण संघ, दिशेरगढ़, ईसीएल, झांझरा शाखा की ओर से शनिवार को अधिकारी क्लब झांझरा में जरूरतमंद 25 परिवारों के बीच कंबल समेत गमछा बीस किलो क्षमता वाला स्टील कंटेनर, चप्पल के अलावा चूड़ा, गुड समेत अन्य सामग्री का वितरण किया गया, झांझरा शाखा की अध्यक्षा शुभोश्री महापात्रा ने बताया की हमारी ईसीएल अध्यक्षा किरण झा, उपाध्यक्षा जीरक आलम, संचिता रॉय के मार्गदर्शन और कुशल नेतृत्व में हमलोगो को जरूरतमंदों के बीच जाकर सेवा करने और मदद करने की ललक है जो लगातार चल रही है, ठंड का मौसम को देखते हुए 25 परिवारों के बीच सामग्री का वितरण किया गया है जो आगे भी चलता रहेगा,

इस अवसर पर शताक्षी महिला मंडल झांझरा शाखा की बीथी कोले, सविता सिन्हा, संध्या तिवारी, मृदुला सिंह, शुभ्रा राय, शशि मार्शल, उपासना मिश्रा, श्वेता ध्रुव, मनीषा दास आदि उपस्थित थी,

गुरु नानक विद्यालय स्कूल का वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (रानीगंज): श्री गुरु नानक विद्यालय स्कूल का वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन रॉबिंसन स्टेडियम में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि आसनसोल नगर निगम के चेयरमैन अमरनाथ चटर्जी एवं रानीगंज के विधायक तापस बनर्जी ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षा के साथ -साथ खेलकूद का काफी महत्व है. इससे शारीरिक एवं मानसिक विकास प्रबल होता है, आत्मविश्वास भी बढ़ता है। मोबाइल के युग में अधिकतर विद्यार्थी मोबाइल में व्यस्त रहते हैं, खेलकूद में को रुचि लेना बहुत जरूरी है।

इस अवसर पर स्कूल मैनेजिंग कमेटी के सरदार सुरेंद्र सिंह, सरदार हरजीत सिंह बग्गा, सरदार रविंदर सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे। विद्यार्थियों ने विभिन्न इवेंट पर हिस्सा लिया विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। धन्यवाद ज्ञापन स्कूल के प्रधानाध्यापक ऋषि कुमार त्रिपाठी ने दिया।

सड़क सुरक्षा को लेकर ईस्ट जोन ट्रैफिक का जागरूकता अभियान निरंतर जारी

अमन राय

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (दुर्गापुर): आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के दुर्गापुर सब ट्रैफिक पुलिस की ओर से निरंतर ट्रैफिक जागरूकता अभियान हो रहा है| इसी क्रम में क्षेत्र के शांतिनिकेतन प्लॉटिकल कॉलेज मे सेफ ड्राइव सेव लाइफ एवं यात्री साथी ऐप के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया| इस मौके पर कॉलेज के विद्यार्थियों एवं टीचर्स ने इस कार्यक्रम में भाग लिया|

इस मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने एक-एक कर अपने वक्तव्य रखे एवं ट्रैफिक जागरूकता के नियम एवं यात्री साथी ऐप के उपयोग के बारे में बताया| इस मौके पर एसीपी राजकुमार मालाकार, दुर्गापुर ट्रैफिक प्रभारी संदीप सोम, दुर्गापुर सब ट्रैफिक प्रभारी अमीनूर रहमान खान, एसआई अनिमेष नंदी, एएसआई नंदन दत्ता, एएसआई इंद्रजीत बनर्जी, सीविक नदीम खान के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे|

मौके पर एसीपी राजकुमार मालाकार ने यात्री साथी ऐप को लेकर भी विद्यार्थियों को जागरूक किये। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा इसे ऐप को लॉन्च किया गया है। इसके जरिए कोई भी व्यक्ति रेलवे स्टेशन हो या एयरपोर्ट या कहीं और से भी इस ऐप का इस्तेमाल करके टैक्सी, ऑटो या दो पहिया वाहन की बुकिंग कर सकता है। इस ऐप में पंजीकृत सभी वाहनों की जानकारी प्रशासन के पास रहती है इसलिए इसका इस्तेमाल बहुत ही सुरक्षित है। सभी को इसका उपयोग करना चाहिए|

कुल्टी ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस ने जरूरतमंदों के बिच बाटे गरम वस्त्र

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (बराकर): कुल्टी ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस ने आसनसोल नगर निगम के 67 नंबर वार्ड मदरसा रोड स्थित मैरिज हॉल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर इलाके के 500 से अधिक जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में कुल्टी ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस के कुल्टी ब्लॉक के अध्यक्ष कंचन रॉय, वार्ड अध्यक्ष अली हुसैन मुन्ना, टीएमसी नेता अब्दुल बारिक, टोनी लोहिया, तोनु मुखर्जी, नागा मुखर्जी, राजा चुधरी, जसीम अंसारी, मुख्य रूप से उपस्थित थे। सभी टीएमसी नेताओं ने अपने हाथों से जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया।

कंबल वितरण के दौरान वार्ड नं 67 की पार्षद टुंपा चौधरी ने कहा कि गरीबों व असहायों को मदद टीएमसी के नियती में शामिल है। उन्होंने ने कहा कि मैंने यह निश्चय किया कि जितना हो सके मैं अब असहायों को ठंड से बचाऊगी।

वही कंबल वितरण को लेकर लोगों ने बताया सराहनीय कदम। कहा जाता है कि जिसका कोई सहारा नहीं होता उसका ईश्वर ही सहारा होता है। एक ओर जहाँ ठिठुरती ठंढ मे रजाई एवं कम्बल के सहारे घरों में लोग सो जाते है। लेकिन उसकी जिंदगी कैसे गुजरती होगी जो एक साधारण चादर के सहारे ठंढी रात गुजारते है। असहायो पर सबकी दया नही होती बल्कि भगवान की जिसपर कृपा होती है वही इस तरह के पुन्य कार्य करते हैं।

चलती लॉरी में आग लगने से हड़कंप

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (कांकसा): कोलकाता से पुरुलिया जा रही एक लॉरी में आग लगने से हड़कंप मच गया। यह घटना राष्ट्रीय राजमार्ग 19 के कोलकाता जाने वाले मार्ग पर पानागढ़ बाईपास के अस्पताल चौराहे के पास घटी। आग की सूचना मिलने पर दोपहर करीब एक बजे एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि, लॉरी के चालक और खलासी को कोई चोट नहीं आई। बताया जा रहा है कि लॉरी स्क्रैप कुकिंग गैस सिलेंडर लेकर कोलकाता से पुरुलिया जा रही थी। पानागढ़ बाईपास पार करने के बाद ट्रक के इंजन से धुआं निकलने लगा। ट्रक चालक ने तुरंत ट्रक को सड़क किनारे रोक दिया और आग बुझाने की कोशिश की। स्थानीय लोगों ने इंजन से आग निकलती देख पुलिस को सूचना दी। कांकसा थाने की पुलिस और एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाई।

रानीगंज चैंबर ऑफ़ कॉमर्स द्वारा आयोजित चार दिवसीय व्यापार मेला

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (रानीगंज): चैंबर ऑफ़ कॉमर्स की तरफ से राजवाड़ी मैदान में चार दिवसीय व्यापार मेला का आयोजन काफी सफलतापूर्वक चल रहा है। तीसरे दिन शनिवार को कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

चेंबर के वरिष्ठ पदाधिकारी जगदीश झुनझुनवाला ने बताया कि व्यापार मेला पूरी तरह से सफल रहा है. रानीगंज चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष रोहित खेतान ने कहा कि व्यापार मेला एक्सपो 2025 में विभिन्न प्रकार के व्यापारियों, उद्योगपतियों, और सरकारी अधिकारियों को एक साथ लाने में सफलता मिली है। व्यापार मेला में स्टॉल लगाने वाले व्यापारी अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने में सक्षम हुए हैं।

चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के चैयरमेन अरुण भारतीया ने कहा कि व्यापार मेले में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की गई है. जिसमे विभिन्न प्रकार के उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाती है। व्यापार से संबंधित विषयों पर सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं। व्यापारियों और उद्योगपतियों के बीच बैठकें आयोजित की जाती हैं। व्यापार से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

एक्सपो 2025 के युवा प्रतिभाशाली संयोजक शरत कानोडीया ने कहा कि व्यापार मेले का उद्देश्य व्यापार को बढ़ावा देना, व्यापार के अवसरों की खोज करने का अवसर मिलता है। व्यापार से संबंधित जानकारी प्रदान की जाती है। व्यापार मेले में व्यापार के अवसरों की खोज करने का अवसर मिलता है। व्यापार से व्यापार मेले में व्यापार से संबंधित जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है, व्यापार मेले का उद्देश्य व्यापार को बढ़ावा देना है।

चार दिवसीय केएम प्रीमीयर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारम्भ

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (नियामतपुर): यूथ वेलफेयर सोसायटी क्लब के तत्वावधान में शनिवार को सांकतोड़िया स्थित ईसीएल स्टेडियम में चार दिवसीय केएम प्रीमीयर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया गया।

मौके पर समीर माजी विशेष अतिथि के तौर पर जबकि मुख्य अतिथि के रूप में मो अमजद अंसारी उपस्थित थे। इनके अलावा डॉ सुबल चक्रवर्ती, मंजूर आलम, मो. शाबाज खान, तनवीर कुरैशी, बेलाल कुरैशी व अन्य लोग उपस्थित थे। खेल के आयोजन में सादाब कुरैशी ने अहम भूमिका निभाई।

जानकारी के अनुसार आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में जायरा एकादश, आफताब एकादश, रिंकू एकादश और साजिद एकादश की टीमों ने भाग लिया। खेल के प्रथम दिन शनिवार को आफताब एकादश और साजिद एकादश की टीमें आपस में भिड़ी।

इस दौरान मुख्य अतिथि अमजद अंसारी ने कहा कि यहां धीरे धीरे खेलकूद का नामोनिशान लगभग मिट गया था। लेकिन आज डिसेरगढ़ सांकतोड़िया के उत्साही नवयुवकों का देन है कि खेलकूद यहां जीवित है। उन्होंने कहा कि नवयुवकों को खेलकूद में भाग लेते रहना चाहिए। क्योंकि ये खेलकूद शरीर को स्वस्थ्य बनाने में बहुत महत्वपूर्ण हैं जिससे मन और आत्मा भी स्वस्थ रहती है।इससे मानसिक चेतना का भी विकसित होती है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया और शुभकामनाएं दी।

पारबेलिया सरस्वती इंग्लिश स्कूल को मिला नया भवन

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (पुरुलिया): नितुरिया थाना अंतर्गत सबसे पुराने और प्रतिष्ठित पारबेलिया सरस्वती इंग्लिश लर्निंग स्कूल का 17 फरवरी 2025 को पाथरडीहा स्थित नवनिर्मित भवन में स्थानांतरण होने जा रहा है। स्कूल के नये भवन के उद्घाटन की सूचना स्कूल के प्रिंसिपल सह ऑनर रमेश भारती ने दी है। उन्होंने कहा कि दशकों से हमारा स्कूल हमारे छात्रों को उच्च-स्तरीय शिक्षा दे रहा है। जीवन में वो सामाजिक सरोकार व मूल्यों के साथ सक्षम बनें यह हमारा हमेशा से प्रयास रहा है। छात्रों के विकास और उन्हें सशक्त बनाने के लिए हम हमेशा समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा कि पारबेलिया सरस्वती इंग्लिश लर्निंग स्कूल में, हम समग्र उचित शिक्षा को बढ़ावा देने में तत्पर रहे हैं। हमारे छात्र भाषण, नाटक और खेल सहित कई तरह की गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं, जो उन्हें आवश्यक जीवन कौशल, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच विकसित करने में मदद करते हैं। और अब हम अपने सबसे कम उम्र के छात्रों के लिए एक विशेष ऑफ़र की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं! 15 जनवरी से 25 जनवरी तक, हम एलकेजी, केजी-1 और केजी-2 छात्रों के लिए निःशुल्क प्रवेश की पेशकश कर रहे हैं। सीमित सीटें उपलब्ध हैं, इसलिए जल्दी करें और आज ही अपने बच्चे के लिए स्थान सुरक्षित करें! हम अपने नए स्कूल भवन में आपका स्वागत करने और शिक्षा के प्रति अपने जुनून को आपके साथ साझा करने के लिए उत्सुक हैं।

हनुमान मंदिर में 24 घंटे अखंड संगीत मय श्रीराम चरित्र मानस पाठ का शुभारंभ

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (बराकर): हनुमान चढ़ाई स्थित हनुमान मंदिर में 24 घंटे का अखंड संगीत मय श्रीराम चरित्र मानस पाठ का शुभारंभ किया गया। इस संबंध में हनुमान चढ़ाई स्थित हनुमान मंदिर के पुजारी नंदकिशोर पाण्डेय एवं मुकेश पाण्डेय ने शनिवार को संयुक्त रूप से बताया कि मंदिर के पुजारी के नेतृत्व में 24 घंटे का अखंड संगीतमय श्री राम चरित्र मानस पाठ का आयोजन विधिवत मंत्र उच्चारण के साथ हनुमान जी की पूजा अर्चना कर शनिवार से आरंभ किया गया। जिसका समापन रविवार को होगा तथा कार्यक्रम के दौरान सवामणि हनुमान जी का भव्य श्रृंगार एवं जोत का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के पश्चात लोगों के बीच भोग प्रसाद भी वितरण किया जाएगा और भंडारा का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हनुमान जी सभी तरह के दुखों का नाश करते हैं और श्री रामचरित्र मानस के पाठ से हनुमान जी की शक्तियां कई गुना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि लोक कल्याण की भावना से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। क्योंकि यह मंदिर इस क्षेत्र के लोगों का प्रचलित मंदिर है। काफी लोग यहां प्रतिदिन पूजा अर्चना करने आते हैं और हनुमान जी सभी की मनोकामना पूर्ण करते हैं। वहीं बनारस से आए सुभाष पाण्डेय एवं शिवम पाण्डेय के नेतृत्व में संगीत मय रामचरित्र मानस सुमधुर पाठ आरंभ हआ । उनके साथ सुंदरम पाण्डेय अमित पाण्डेय रोशन पाण्डेय प्रवीण पाण्डेय सहयोगी के रूप में उपस्थित थे।

आज का राशिफल

19 जनवरी 2025
रविवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता मिलेगा। व्यवसाय में नये कार्यों की शुरुआत करने से बचें। कार्यभार की अधिकता से थकान का अनुभव होगा। मानसिक अस्वस्थता रहेगी। विवाद से बचे। सेहत का ध्यान रखें।

वृषभ
दिन मिला-जुला रहेगा। कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता रहेगी, धनलाभ होगा। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। वाणी पर संयम रखें। पारिवारिक वातावरण बढ़िया रहेगा। अनावश्यक खर्च से बचना है।

मिथुन
दिन सामान्य रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजनों के साथ पिकनिक पर जा सकते हैं। धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान रहेगा। समाज में सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्क
दिन अच्छा रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी। परिजनों के सहयोग से सभी कार्य सफल होंगे। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। परिवारिक माहौल अच्छा रहेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी बरतें।

सिंह
दिन शुभ रहेगा। कार्यक्षेत्र में आकस्मिक धनलाभ के योग रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में तरक्की की संभावना रहेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मित्रों से मुलाकात होगी, जो लाभदायक रहेगी। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा।

कन्या
दिन मिला-जुला रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियों में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। क्रोध की अधिकता रहेगी, इसलिए वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

तुला
दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। नई ऊर्जा के साथ काम करेंगे। कारोबार विस्तार की योजना बनाए। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। मित्रों से सहयोग मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धनलाभ के योग बन रहे हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। मित्रों-परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो सकती है।

धनु
दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके अनुकूल वातावरण रहेगा। कार्यों में सफलता मिलने से धनलाभ की स्थिति रहेगी। वैचारिक रूप से समृद्धि बढ़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन में उल्लास से भरा रहेगा।

मकर
दिन मिला-जुला रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियों में छोटी-छोटी परेशानियां आ सकती हैं। कुछ कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य बिगडने की संभावना रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा।

कुंभ
दिन शुभ रहेगा। आर्थिक लाभ के संयोग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। मित्रों के साथ घूमने-फिरने, आनंद-प्रमोद करने में खर्च होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में आपकी आय बढ़ेगी। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहे।

मीन
दिन अच्छा रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक रूप से थकान का अनुभव होगा। नौकरी में पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी। अनावश्यक खर्च की अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी।

30 जनवरी से 14 फरवरी तक चलाया जाएगा कुष्ठ जागरूकता एवं कुष्ठ रोग खोज अभियान

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): उप विकास आयुक्त सादात अनवर की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय के सभागार में स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान - 2025 एवं कुष्ठ रोग खोज अभियान (द्वितीय चक्र) के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन को लेकर बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उप विकास आयुक्त ने गांव स्तर पर ग्रामगोष्ठी का आयोजन करने, आंगनबाड़ी, स्कूलों व स्वास्थ्य केंद्रों में शपथ दिलाने एवं कुष्ठ रोग के प्रति लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया।

वहीं सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन ने कहा कि 30 जनवरी से 14 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता एवं कुष्ठ रोग खोज अभियान के दौरान जिन -जिन गांवों में विगत 5 वर्षों के अंदर एक भी कुष्ठ के रोगी मिले हैं वहां सहिया एवं पुरुष स्वयंसेवक द्वारा घर-

घर जाकर लोगों की शारीरिक जांच की जाएगी एवं उन्हें कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक किया जाएगा।

अभियान के दौरान लोगों को बताया जाएगा कि यह रोग न अभिशाप है न पुश्तैनी रोग है। इलाज करने से इस रोग से निजात मिल जाती है। दवाईयों का खुराक नियमित रूप से करने से यह रोग पूर्ण रूप से ठीक हो सकता है। उपचार एवं इसकी दवा सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में निःशुल्क दी जाती है।

सिविल सर्जन ने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को अपने-अपने प्रखण्ड में बैठक आयोजित कर अभियान की जानकारी सभी सहिया व संबंधित लोगों को देने को कहा। बैठक में कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ मंजू दास ने कुष्ठ रोग के लक्षण, उसका उपचार एवं सहिया द्वारा रोगी के प्रति जवाबदेही पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला।

बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, डीपीएम नीरज कुमार यादव, डॉ विकास राणा, डॉ सुनील कुमार सिंह, फिजियोथैरेपिस्ट दीपाली राय, स्वास्थ्य विभाग के लिपिक रणधीर कुमार, जितेन्द्र कुमार, एनजीओ पाल, आत्मस्वाभिमान, टाटा स्पर्श के प्रतिनिधि, सभी प्रखंड के एमओआईसी एवं प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सहित अन्य लोग मौजूद थे।

गलफ़रबाड़ी छापेमारी के लिए पहुंची सीआईएसएफ टीम पर कोयला तस्करों ने किया हमला

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): डंके की चोट पर कोयले की तस्करी का खेल बदस्तूर जारी है, वहीं कोयला तस्करों का मनोबल सातवें आसमान पर है, कोयला तस्कर अपने काम में बाधा उत्पन्न करने वाले न सिर्फ आम लोग बल्कि अधिकारियों को भी नहीं बख्श रहे हैं, ताजा मामला निरसा के गलफरबाड़ी क्षेत्र का है, यहां बंद पड़े बर्न स्टैंडर्ड कारखाना में अवैध खनन स्थल पर छापेमारी के लिए सीआईएसएफ की टीम गई थी. जिसके बाद कोयला तस्करों के द्वारा सीआईएसएफ की टीम पर हमला कर दिया गया,

कोयला तस्करों द्वारा सीआईएसफ की टीम के ऊपर पथराव किया गया, जिसमें सीआईएसएफ टीम का वाहन क्षतिग्रस्त हो गया, घटना की सूचना सीआईएसएफ टीम के द्वारा गलफरबाड़ी पुलिस को दी गई, जिसके बाद दल बल के साथ पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस और सीआईएसएफ की टीम कोयला तस्करों को मौके से खदेड़ने में कामयाब रही. कार्रवाई में कोयला लोड दो ट्रैक्टर भी जब्त किये गये हैं. ट्रैक्टर को जब्त कर थाना लाया गया है, यह पूरा मामला बीती शुक्रवार की रात करीब 11 बजे का है,

वहीं घटना को लेकर निरसा एसडीपीओ रजत माणिक बाखला ने बताया कि रात में सीआईएसफ की टीम छापेमारी के लिए गई थी, कोयला तस्करों ने उनके ऊपर पथराव किया, सूचना मिलने के बाद गल्फरबाड़ी की पुलिस मौके पर गई थी, स्थानीय लोगों के द्वारा पथराव किया गया था, जिसमे सीआईएसएफ वाहन का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया. सीआईएसएफ के द्वारा घटना की लिखित शिकायत की गई, मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस मामले में आगे कार्रवाई कर रही है,

बताते चलें कि पिछले दिनों निरसा के पंचेत ओपी क्षेत्र के लुचीबाद में अवैध कोयले की तस्करी में जुटे दो गुट आपस में भिड़ गए थे, जिसमें जमकर मारपीट की घटना घटी थी, करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए थे।

सीएफएम संक्षिप्त

21 जनवरी को होगा बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा का अनावरण

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): वीर कुंवर सिंह सेवा समिति द्वारा आगामी 21 जनवरी 2025 को बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम सरायढेला, मुख्य द्वार पीके राय कॉलेज के पास, वीर कुंवर सिंह नगर के मुख्य गेट पर सुबह 10:30 बजे कार्यक्रम होने जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक कार्यक्रम से होगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद के पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह उपस्थित रहेंगे। विशिष्ठ अतिथि के रूप में धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो, धनबाद विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक रागिनी सिंह, बाघमारा विधायक बाघमारा शत्रुध्न महतो, बोकारो विधायक बोकारो श्वेता सिंह, बेरमो विधायक अनूप सिंह, रांची विधायक सी. पी. सिंह, जमशेदपुर पश्चिमी विधायक सरयू राय, जमुई विधायक श्रेयशी सिंह, ज़मुरिया (प. ब.) विधायक हरेराम सिंह, धनबाद की जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता, आईआईटी आईएसएम के डायरेक्टर एस के मिश्रा, सीएमआरआई के डायरेक्टर ए.के. मिश्रा, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डा. रामकुमार सिंह, पूर्व विधायक झरिया पुर्णिमा नीरज सिंह, जनता मजदूर संघ के महामंत्री सिद्धार्थ गौतम,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधिवक्ता बृजेन्द्र सिंह के महामंत्री ए के झा सहित अनेक गणमान्य सम्मानित अतिथि गण शामिल रह सकते हैं।

प्राइवेट कर्मियों के भरोसे पतारी पावर हाउस, उपभोक्ताओं से बदसलूकी और घूसखोरी का अड्डा

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): कानपुर नगर के घाटमपुर क्षेत्र में स्थित पतारी फीडर पर उपभोक्ताओं को बिजली से जुड़ी समस्याओं के समाधान के बजाय परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पावर हाउस का संचालन प्राइवेट कर्मियों के भरोसे किया जा रहा है, जो उपभोक्ताओं से बकाया बिल के नाम पर घूस की मांग करते हैं। घूस न देने पर बिजली कनेक्शन काटने की धमकी दी जाती है। हाल ही में, एक गंभीर मरीज ने बिल भरने के लिए दस दिन की मोहलत मांगी, जिस पर जेई ने संवेदनहीनता दिखाते हुए कहा, "दस साल से टूटे पड़े थे क्या?" इस तरह की टिप्पणी ने उपभोक्ताओं में आक्रोश पैदा कर दिया है। प्राइवेट कर्मी अपने नजदीकी लोगों पर मेहरबानी दिखाते हुए बिल कम करने और अन्य कार्यों के लिए दलालों का सहारा लेते हैं। छोटे-मोटे काम हों या बकाया बिल का निपटारा, सभी कार्य रिश्वत और पक्षपात के माध्यम से किए जाते हैं। इसके अलावा, उपभोक्ताओं के साथ बदसलूकी और दुर्व्यवहार की घटनाएं आम हो चुकी हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस अनियमितता पर रोक लगाने और जिम्मेदार कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

विवेचनोपरान्त सफल अभ्यर्थियों का रॉल नम्बर प्रकाशित

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): चौकीदार सीधी भर्ती के तहत् दिनांक- 29.12.2024 को सम्पन्न लिखित परीक्षा समाप्ति के उपरान्त खेलकूद कोटा, दिव्यांग कोटा तथा प्राप्तांक के प्रकाशन के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर विवेचनोपरान्त सफल अभ्यर्थियों का रॉल नम्बर प्रकाशित किया जा रहा है। साथ ही प्राप्त दावा आपत्ति के आलोक में री-वेरिफिकेशन के उपरान्त प्राप्तांक एवं कोटिवार कट ऑफ मार्क्स प्रकाशित किया जा रहा है। 1-सभी सफल अभ्यर्थी दिनांक-20.01.2025 को प्रातः 6:30 बजे मेगा स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स, मेमको मोड, धनबाद में शारीरिक जॉच हेतु अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगे। 2-खेलकूद कोटा के तहत चयनित अभ्यर्थी शारीरिक जॉच के कम में खेलकूद संबंधी मूल प्रमाण-पत्र एवं स्वअभिप्रमाणित प्रति साथ लाना सुनिश्चित करेंगे। 3-दिनांक-16.01.2025 एवं 17.01.2025 को निर्धारित शारीरिक जॉच के कम में अनुपस्थित अभ्यर्थियों को शारीरिक जॉच हेतु दिनांक-20.01.2025 को उपस्थित होने का अंतिम मौका प्रदान किया जाता है। सफल घोषित अभ्यर्थियों की सूची पूर्णतया औपबंधिक है, किसी भी स्तर पर किसी भी समय कोई विशेष त्रुटि/ नियमानुसार पात्रता नही रहने का मामला संज्ञान में आने पर/ अन्य कारणों से अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता रद्द/संशोधित करने का सर्वाधिकार नियुक्ति/ चयन समिति के पास सुरक्षित रहेगा।

जीरो से 05 वर्ष के बच्चों का आधार पंजीकरण शत प्रतिशत सुनिश्चित करने का निर्देश

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा के निर्देशानुसार एडीएम सप्लाई श्री जियाउल अंसारी की अध्यक्षता में समाहरणालय में जिला आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सीएससी के द्वारा बताया गया कि जिला में पीएससी में 52 एवं यूसीएल में 17 किट चलाए जा रहे हैं। एडीएम सप्लाई ने निर्देशित किया कि इन सभी स्थान पर जाकर लगातार जांच करें एवं यह सुनिश्चित करें कि आधार में बदलाव, नए आधार बनाने समेत अन्य कार्यों में निर्धारित दर ही लिए जाए एवं संबंधित कार्य की निर्धारित शुल्क वहां सूचना पट पर उपलब्ध हो।

वही शिक्षा विभाग से आए प्रतिनिधि को यह निर्देशित किया गया की विभाग से पत्राचार कर सभी बीआरसी में सारे किट को एक्टिवेट कराएं। साथ हीं जो भी मशीन उपलब्ध कराई गई हो वह स्थाई जगह पर हो या सुनिश्चित करें। साथ ही समाज कल्याण पदाधिकारी को यह निर्देशित किया गया कि टैबलेट एवं आधार मशीन को एक्टिवेट करा कर आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित कर 0 से 5 वर्ष के बच्चों को शत प्रतिशत बच्चों का आधार बनाएं।

18 वर्ष से अधिक आयु के आधार पंजीकरण के लिए लंबित मामलों का प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित करने के बाद में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एडीएम सप्लाई ने कहा कि सभी बीडीओ फील्ड वेरिफिकेशन करने के बाद ही 18 से अधिक उम्र वाले आवेदन का निष्पादन सुनिश्चित कराएं।

मौके पर समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अनीता कुजूर, परियोजना पदाधिकारी यूआईडी श्री अमित कुमार समेत स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहें।

रेलवे ठेकेदार रंगदारी जानलेवा हमला प्रकरण में जनता श्रमिक संघ के केंद्रीय सचिव ने रखा अपना पक्ष

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): रेलवे ठेकेदार रंगदारी प्रकरण मामले में जनता श्रमिक संघ के केंद्रीय सचिव अमित कुमार गुप्ता ने शनिवार को अपना पक्ष रखते हुए आरोप को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि उनकी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने रेलवे ठेकेदार को न तो फोन किया है और न ही किसी तरह का व्हट्सएप पर मेसेज ही भेजे हैं। उनका यह भी कहना है कि उन्होंने ठेकेदार राजीव रंजन के फोन नंबर को 12 अक्टूबर 2024 में ही ब्लॉक कर चुके हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी हत्या की साजिश रची जा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले 25 दिसंबर को उन्होंने मजदूरों के हक अधिकार को लेकर आंदोलन किया था। जिसका परिणाम है कि मेरी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। धनसार थाना में लिखित शिकायत कर मामले में निष्पक्ष जाँच की मांग की है। रेलवे ठेकेदार ने धनसार थाना में मामला भी दर्ज कराया है। ठेकेदार ने पुलिस को बताया है कि उनपर जानलेवा हमला हुआ है और व्हट्सप पर पांच लाख की रंगदारी मांगी गई थी। फिलहाल पुलिस इस पुरे प्रकरण की जाँच कर रही है।

नाली के पानी के बहाव को लेकर पड़ोसी के बीच मारपीट, दो गंभीर रूप से घायल

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): चिरकुंडा थाना स्थित सुंदरनगर में नाली के पानी के बहाव को लेकर दो पड़ोसियों के बीच जमकर मारपीट हुई जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें घायल एक को धनबाद रेफर कर दिया गया है। दोनो तरफ से चिरकुंडा थाना में लिखित शिकायत दर्ज की गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। इस संबंध में सुंदरनगर निवासी अमरकांत रवानी ने लिखित शिकायत में कहा है कि मेरे पड़ोसी सुमित झा व उनके चाचा पप्पू झा घर के सामने उनके द्वारा बहाए जानेवाले नाली के पानी को लेकर गाली गलौज कर रहा था इसी बीच गाली देने का कारन पूछा तभी चाचा पप्पू झा पीछे से पकड़

लिया व सुमित झा घर से बेंत लेकर आया और ताबड़तोड़ मारपीट शुरू कर दिया जिससे उनको गंभीर चोटें आई जिससे वे घायल हो गए।

वहीं दूसरी तरफ सुमित कुमार झा ने कहा है कि उनके पड़ोसी रास्ता में नाली का पानी गिराते हैं जिस कारन जब वे मना करने गए व कहा कि रास्ता गंदा हो जाता है लोगों को परेशानी होती है तो राजू रवानी, बरका रवानी सहित अन्य लोग उनसे उलझने लगे।इसके बाद पाचु रवानी ने सुमित झा के उपर हमला कर दिया व सभी ने मिलकर बेट से हमला कर दिया जिससे उनका सर फट गया। स्थानीय अस्पताल में इलाज कराया गया जहां डा. ने उसे धनबाद रेफर कर दिया है।

सीआईएसएफ व पुलिस ने 40 टन अवैध कोयला लदा ट्रक जप्त कर लोदना ओपी को सौपा

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): पुलिस संयुक्त रुप से छापामारी कर लगभग 40 टन अवैध कोयला लोड ट्रक को जप्त कर लौदना ओ0पी0 को सोपा, झरिया गुप्त सूचना के अधार पर लौदना 12 नंबर स्थित शनिवार की अहले सुबह 4:45 बजे सीआईएसएफ अपने दल बल के साथ लौदना ओपी प्रभारी गौरव कुमार संग संयुक्त रूप से छापामारी कर लगभग 40 टन अवैध कोयला लदा ट्रक को जप्त किया, सीआईएसएफ ने ट्रक लोदना ओपी को सोपा वही ट्रक चालक भागने में सफल रहा, लगातार छापेमारी के बाद भी ट्रक सख्या बीआर 26 जी-ए 4983 में कोयला जप्त होना या फिर लोड ट्रक पकड़ा जाना और कोयला चोरों के भागने में सफल होने की दास्तां क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

झरिया, गुप्त सूचना के अधार पर शनिवर की अहले सुबह सीआईएसएफ टीम व पुलिस ने संयुक्त रूप से छापामारी कर 14 चक्का ट्रक संख्या बीआर 26 जीए 4983 नंबर ट्रक में लगभग 40 टन अवैध कोयला लोड ट्रक को जब्त किया गया है। जबकि छपामारी की भनक लगते ही युक्त स्थल से कोयला चोर व ट्रक चालक संग उप चालक आदि घटना स्थल से भागने में सफल रहे। इधर छापामारी अभियान के नेतृत्व कर रहे सीआईएसएफ इंस्पेक्टर विजय शर्मा ने लोदना एरिया 10 बीसीसीएल प्रबंधन को सूचना देते हुए कोयला लोड ट्रक को लोदना ओपी पुलिस को सौंप दिया दिया है। पुलिस जांच पड़ताल कर मामला दर्ज करने की प्रकिर्या में लगा हुआ है। सूत्रों की माने तो लगातार छापामारी करने के बाद भी अवैध कारोबारियो द्वारा घटना को अंजाम देना कहीं ना कहीं क्षेत्रीय सीआईएसएफ की व्यवस्था मे कमियां दर्शाता है,

12 नम्बर लोदना प्राचीन काली मंदिर रोड़ में अवैध कोयला लोड ट्रक का पकड़ा जाना। पुलिस प्रशासन के आंखों में धूल झोंक कर तस्करों का धड़ल्ले से कोयला का अवैध कारोबार जारी रखना। हालांकि बीच- बीच में छापामारी जरुर किया जाता रहा है, सीआईएसएफ टीम द्वारा, लेकिन टीम के युक्त स्थल में झाड़ू लगाने के ठीक दो चार घंटे बाद या दो चार दिन के अंदर ही अवैध कोयला कारोबारियों द्वारा उसी स्थल पर और भी बृहद पैमाने पर जोर सोर से काम जारी कर दी जाती है ऐसा क्षेत्रीय लोगों का कहना है,

जबकि खनन टास्क फोर्स के नियमानुसार जिस जगह भी अवैध कारोबार लागतार फलता फूलता नजर आए उक्त स्थल को हॉट स्पॉट केंद्रित करते हुए महिना मे कम से कम पांच बार छापामारी अभियान चलाते हुए कारोबारियो को ढूंढ कर मामला दर्ज करते हुए मंडल कारावास की हवा खिलाना है जिसका पालन कही भी दूर दूर तक होता दिखाई नहीं देती है। जिसके कारण अवैध कारोबारियो की हौसला सातवे आसमान पर जा पहुंचा है, तभी तो कारू यादव जैसे लोग पुलिस के लिए मुसीबत बन के उभरता है।

दीक्षांत समारोह का मारवाड़ी विद्यालय में हुआ आयोजन

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): मारवाड़ी विद्यालय परिसर में शनिवार को वर्ग दशम के छात्र छात्राओं के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा जीवन पर्यंत चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने मैट्रिक परीक्षा में शामिल होने वाले सभी दसवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी, कहा कि मैट्रिक परीक्षा का बेहतर परिणाम प्राप्त कर छात्र-छात्राएं अपने परिवार एवं विद्यालय का नाम गौरवान्वित करें यही उनकी कामना है।

अपने उद्बोधन में संयुक्त सचिव महेश जलूका ने कहा कि सभी छात्र-छात्राएं विद्यालय की धरोहर हैं। हमें विश्वास है कि मैट्रिक परीक्षा में शानदार परिणाम प्राप्त कर छात्र छात्राएं अपने जीवन लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। उपाध्यक्ष सतनारायण भोजगारिया ने कहा कि छात्रों की पहचान उनके पठन-पाठन के साथ ही अनुशासन से होती है।

जीवन में अनुशासन और कठिन परिश्रम से ही सफलता मिलती है। दीक्षांत कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजन अर्चना एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। दीप प्रजनन कार्यक्रम में सम्मेलन अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, विद्यालय प्रबंध समिति उपाध्यक्ष सत्यनारायण भोजगरिया, संयुक्त सचिव महेश जलूका एवं अनूप लीलहा, कोषाध्यक्ष नरेश अग्रवाल प्रधानाध्यापक मुक्तेश्वर मिश्र शामिल हुए। इस दौरान विद्यालय की छात्र-छात्राओं द्वारा शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। उप प्रधानाध्यापक अध्यापक मनोज रवानी, प्राथमिक विभाग की प्रधानाध्यापिका सपना सिन्हा, विज्ञान शिक्षक संजय भट्ट रेखा पोद्दार ने छात्रों को आशीर्वचन प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान ही मैट्रिक परीक्षा में शामिल सभी छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि, प्रबंध समिति के सदस्यों व शिक्षक शिक्षिकाओं ने मेमोंटे एवं लेखनी प्रदान कर शुभकामनाएं दी।

मौके पर विद्यालय प्रबंध समिति के अनिल खरकिया, अनिल केजरीवाल, गणेश अग्रवाल, अमित अग्रवाल के अलावा शिक्षिका माधवी वर्मा, प्रीति केसरी, सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

श्रम विभाग के संचालित सभी योजनाओं का विस्तृत रुप से दी गई जानकारी

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): जिले के निरसा प्रखंड में प्रवासी मजदूरों से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिला स्किल कॉर्डिनेटर आशीष कुमार ने प्रवासी श्रमिकों से संबंधित समस्याओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वैसे श्रमिक जो रोजगार के लिए दूसरे प्रदेशों, देशों में रोजगार के बेहतर तलाश में जाते हैं वे अनिवार्य रूप से श्रमाधान. झारखण्ड.जी0ओ0भी0.कॉम पोर्टल पर प्रवासी मजदूर अधिनियम 1979 के अंतर्गत निबंधन कराकर जाएं ताकि श्रमिकों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो ।

उनके द्वारा बताया गया कि सामान्य मृत्यु, दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा के कारण जिले के प्रवासी श्रमिक की मृत्यु/ अशक्त होने पर उन्हे अपने घर तक लाने के लिए 50 हजार तक की राशि मुख्यमंत्री झारखण्ड प्रवासी श्रमिक दुर्घटना कोष से दी जायेगी,प्रवासी श्रमिक की दुर्घटना में दो अंग या दोनों ऑख या अंग की हानि होने पर एवं दुर्घटना/प्रा कृतिक आपदा में श्रमिक की मृत्यु होने पर पंजीकृत एवं अपंजीकृत प्रवासी श्रमिकों को 75 हजार से दो लाख रूपये तक का भुगतान किया जायेगा।

उनके द्वारा श्रम विभाग के संचालित सभी योजनाओं का जानकारी विस्तृत रुप में प्रोजेक्टर (ओडियो, विडियो)के माध्यम से प्रदर्शित किया गया एवं सभी आगन्तुकों से अपील किया गया कि जो भी मजदुर अपने राज्य से दूसरे राज्य में कार्य करने जाते है वे अपना निबंधन प्रवासी मजदूर के रुप में श्रम विभाग में जरुर करवायें। साथ ही सहायक श्रमायुक्त द्वारा बिभाग से संचालित झारखण्ड असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा योजना/ झारखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में निबंधन तथा मुख्यमंत्री सारथि योजना अंर्तगत संचालित योजनाओ की विस्तृत जानकारी दी गई।

मौके पर ब्लॉक के प्रखंड के प्रमुख, उप प्रमुख, मुखिया, वार्ड सदस्य के साथ के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहें।

कोर्ट में धनबाद के मटकुरिया गोलीकांड में 33 अभियुक्तों का बयान दर्ज

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): बहुचर्चित मटकुरिया गोलीकांड की सुनवाई जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत में हुई. इस सुनवाई में कुल 33 अभियुक्तों ने अपना बयान अदालत में दर्ज कराया, जिसमें से 32 अभियुक्त सशरीर हाजिर हुए थे, जबकि एक अभियुक्त का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बयान दर्ज किया गया. मामले के आरोपी पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक व्हील चेयर पर कोर्ट पहुंचे थे.

अधिवक्ता बृजेंद्र सिंह ने बताया कि पिछली तारीख पर ही केस क्लोज के साथ एविडेंस क्लोज हो गया था. शनिवार को तारीख स्टेटमेंट के लिए रखी गई थी. करीब करीब सभी अभियुक्त का बयान दर्ज कर लिया गया है. इस सुनवाई में जो अभियुक्त नहीं थे, उनका बयान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कराया गया,

इसके बाद डिफेंस के लिए अदालत तारीख देगी. उन्होंने कहा कि अदालत चाहेगी तो इसी महीने मटकुरिया गोलीकांड का फैसला सुना सकती है.

बता दें कि मटकुरिया गोलीकांड में तत्कालीन एसडीओ के लिखित प्रतिवेदन पर 38 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था. 38 अभियुक्त में पांच अभियुक्त जिसमें पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह, अशोक यादव, उदय सिंह, ओपी लाल और बच्चा सिंह की मृत्यु हो चुकी है,

मटकुरिया गोलीकांड की घटना साल 2011 हुई है, मटकुरिया में बीसीसीएल के आवासों को अतिक्रमण से मुक्त कराने गए पुलिस बल के साथ आंदोलनकारियों की हिंसक झड़प हुई थी. घटना में तत्कालीन एसपी आरके धान जख्मी हो गए थे. इस झड़प में चार लोगों की मौत हो गई थी,

तत्कालीन एसडीओ जॉर्ज कुमार के लिखित प्रतिवेदन पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी. अनुसंधान के बाद पुलिस ने 38 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था. पुलिस और पब्लिक के बीच हुई मारपीट की घटना के दौरान सैकड़ों राउंड गोलियां चली थी. कांग्रेस नेता मन्नान मल्लिक, ओपी लाल, नीरज सिंह, बच्चा सिंह समेत कई लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था. 45 दिनों बाद सभी की जमानत हुई थी. विधि व्यवस्था को लेकर इलाके में कर्फ्यू भी लगाई गई थी।

सफलता संयम और निरंतर प्रयास की परिणति

असफलतायें बड़ी सफलता का मार्ग

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी 2025: असफलता को झेलने के लिए आत्मविश्वास की परम आवश्यकता होती है और असफलता ऐसा स्वाद है जिसे हर व्यक्ति ने जीवन में कभी ना कभी जरूर चखा होगा। असफल होने से निराश होने की आवश्यकता नहीं है। महापुरुषों ने कहा है कि असफलता यह दर्शाती है कि आपने प्रयास पूरे मन से नहीं किया है अतः असफलता के बाद सफलता के लक्ष्य को निर्धारित कर पूर्ण मनोयोग से कर्म की वेदी पर अपना शीश नवाना चाहिए। जीवन में असफलता किसी लक्ष्य को स्थापित करने का ही परिणाम है, इसीलिए इसे बड़े ही सौजन्यता से, सहज तरीके से आत्मसात करना चाहिए। सकारात्मक तरीके से आत्मविश्वास के साथ स्वीकार की गई असफलता मनुष्य को बड़े लक्ष्य की ओर प्रयास करने के लिए संकेत देती है। बिना असफलता के सफलता कोई भी स्वाद नहीं देती है। असफलता के बाद ही सफलता के के लिए किए गए प्रयासों का महत्त्व मनुष्य को अपने जीवन में पता लगता है। शायर फैज अहमद फैज ने कहा है

दिल ना उम्मीद तो नहीं नाकाम ही तो है,
लंबी है गम की शाम मगर शाम ही तो है।

असफलता सफलता की पहली सीढ़ी है और यह सामान्य मानवीय कृत्य भी है। असफल होने के कारणों का पता लगाकर सफलता के लिए प्रयास हमेशा हमें दोगुना कर देना चाहिए। यह भी जरूरी नहीं है कि एक बार सफल होने के बाद मनुष्य सदैव सफल ही होता रहे इसके लिए मनुष्य को लगातार चिंतनशील, आत्म विश्वासी, साहसी और सतर्क होना पड़ेगा। सफल होने के लिए हमें हमेशा हुनरवान होना होगा जिससे इसी हुनर से हमें सफलता का स्वाद चखने का मौका मिलेगा। यह सर्वविदित सच्चाई है कि हमें सफलता के लिये साहस और हुनर का उपयोग कर सदैव अग्रसर होते रहना होगा। सफलता एक लक्ष्य और उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सदैव सफलता की सीढ़ी चढ़कर हमें वहां पहुंचने की आवश्यकता है।

आत्मविश्वास का अर्थ शक्ति और ऊर्जा तो है और यह संपूर्ण रूप से हमारे प्रयासों हमारे संकल्प और साहब से जुड़ा हुआ प्रतिफल भी है। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा देश है। हमारे देश के लाखों, करोड़ों युवाओं का जीवन लक्ष्य हीन है वे बहुत सारी इच्छाएं और महत्वकांक्षी रखते तो हैं पर उसके पीछे कड़ी मेहनत पक्का इरादा नहीं रखने की भूल कर देते हैं और यही कारण है कि वे जीवन में इधर उधर भटक कर अत्यंत निराश होकर अपने जीवन को नशे और अन्य निराशाजनक मार्ग को अपना लेते हैं। प्रयास तथा कठिन परिश्रम की कमी ही युवा वर्ग की भटकाव की स्थिति की परिणति है।

आज का युवा बिना सुनियोजित प्रयास के लक्ष्य की प्राप्ति की आकांक्षा रखने लगे हैं और असफल होने के बाद उसका मूल्यांकन ना कर असफल होकर किसी अन्य मार्ग को चुनने के लिए बाध्य हो जाते युवाओं की यह मानसिक स्थिति बड़ी आया हुआ है जो समाज के लिए निर्णायक साबित होती है और एक बड़ा युवा वर्ग गलत मार्ग की ओर प्रशस्त हो जाता है। ऐसे में युवाओं का जीवन बहुत ही कष्टदायक हो सकता है। युवा वर्ग को चाहिए कि लक्ष्य निर्धारित कर उसके लिए निरंतर कोशिश है और निरंतर श्रम करना चाहिए इसके बाद भी यदि असफलता मिलती है तो सम्यक मूल्यांकन कर असफलता के कारणों को दूर कर दुगनी रफ़्तार से मेहनत कर उच्च लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। आज युवा आगे बढ़कर देश का जिम्मेदार नागरिक बनेगा ऐसे में युवाओं को सदैव लक्ष्य प्राप्ति और सफलता प्राप्ति के लिए निरंतर कठिन श्रम प्रयास संकल्प और अपनी जीवनी को नियमित रखना होगा जिससे घर, समाज और राष्ट्र की उन्नति भी होगी। उल्लेखनीय है की असफलता से ही सफलता की तमाम शिक्षा हमें प्राप्त होती है। विवेकानंद जी ने कहा है कि ब्रह्मांड की सारी शक्तियां हमारे ही भीतर ही है यह हम ही हैं जिन्होंने अपनी आंखों के सामने हाथ रखा है और रोते हुए कहते हैं कि अंधेरा है।

मनुष्य के जीवन में आत्मविश्वास ही ऐसा गुण है जिससे हम संकल्पित होकर बड़े से बड़ा लक्ष्य प्राप्त कर जीवन में सफलता के झंडे गाड़ सकते हैं। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी लाल बहादुर शास्त्री, नरेंद्र मोदी और सबसे बड़े सफलता के और आत्मविश्वास के उदाहरण महात्मा गांधी ही हैं जिन्होंने आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प से देश को आजादी दिलाने का महान कार्य किया है। फिर ऐसा क्या है कि देश के युवा वर्ग की बड़ी जनसंख्या हाथ में हाथ धरे सफलता का बैठे-बैठे इंतजार करना चाहती है।

देश के नौजवानों को हमारे सफल महापुरुषों से शिक्षा लेकर सफलता के लिए अनंत तक आत्मविश्वास के साथ निरंतर श्रम करना चाहिए जिससे न सिर्फ उनका भला हो बल्कि पूरे समाज और पूरे देश का भला हो सके और देश पूरे विश्व में सीना तान कर अपने आसपास और सफलता की गाथा सुना सके। यह देखा गया है कि मानव अहंकार को ही आत्मविश्वास समझने की भूल कर देते हैं किंतु आत्मविश्वास घमंड और अहंकार मैं बहुत बड़ा फर्क है। आत्मविश्वास अहंकार विहीन विनम्रता के साथ परिश्रम और संयम संकल्प लेकर सफलता के लक्ष्य की ओर पदार्पण ही है। फल स्वरुप अहंकार को त्याग कर संपूर्ण विश्वास को लेकर देश हित में सफलता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयास करने चाहिए।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, चिंतक, लेखक
रायपुर छत्तीसगढ़

रिटायर्ड अफ़सरों के बोझ तले दबा आरटीआई का ढाँचा

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी 2025: सेवानिवृत्त अधिकारी उन विभागों के खिलाफ निर्णय लेने में संकोच कर सकता है, जिनके लिए उन्होंने कभी काम किया था, जिससे समझौतापूर्ण फैसले होते हैं। पारदर्शिता में विशेषज्ञता की कमी एक बड़ा मुद्दा है। सेवानिवृत्त सिविल सेवकों में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक विशेष ज्ञान की कमी हो सकती है, जो आरटीआई अधिनियम का मुख्य हिस्सा है। सेवानिवृत्त नौकरशाह वर्तमान सामाजिक मुद्दों से कटे हुए हो सकते हैं, जिससे सार्वजनिक शिकायतों को प्रभावी ढंग से सम्बोधित करने की उनकी क्षमता कम हो सकती है। प्रशासनिक पृष्ठभूमि से आने वाले सूचना आयुक्त समकालीन दृष्टिकोण से सूचना तक पहुँचने के बारे में जनता की चिंताओं को पूरी तरह से नहीं समझ सकते हैं। लंबे समय तक सरकारी सम्बद्धता वाले नौकरशाहों की नियुक्ति से जवाबदेही कम हो सकती है, क्योंकि उनके निर्णय सरकारी हितों के साथ संरेखित हो सकते हैं। विशिष्ट राजनीतिक दलों से सम्बंध रखने वाले नौकरशाह सरकारी निर्णयों को चुनौती देने में अनिच्छा दिखा सकते हैं, जिससे आरटीआई ढांचे की स्वतंत्रता कम हो सकती है।

भारत में सूचना आयुक्तों के रूप में सेवानिवृत्त सिविल सेवकों के प्रभुत्व ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) ढांचे की स्वतंत्रता और विविधता के बारे में चिंताएँ बढ़ा दी हैं। जबकि उनका अनुभव मूल्यवान हो सकता है, इस ने संभावित पूर्वाग्रहों और सीमित प्रतिनिधित्व पर बहस छेड़ दी है। इस तरह के प्रभुत्व के निहितार्थ और उम्मीदवारों के लिए पात्रता मानदंड को व्यापक बनाने के लिए सुधारों की आवश्यकता का पता लगाता है। आरटीआई ढांचे में स्वतंत्रता और विविधता के बारे में कई चिंताएँ हैं। सेवानिवृत्त सिविल सेवकों का प्रभुत्व एक संकीर्ण, एकरूप दृष्टिकोण बनाता है, जो निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में विविधता को कम करता है। सेवानिवृत्त नौकरशाहों को अक्सर प्रतिष्ठान का हिस्सा माना जाता है, जिससे सरकार की कार्रवाइयों को निष्पक्ष रूप से चुनौती देने की उनकी क्षमता सीमित हो जाती है। पूर्व सरकारी कर्मचारी अपने पूर्व सहयोगियों के प्रति पूर्वाग्रह प्रदर्शित कर सकते हैं, जिससे अपीलों को संभालने में निष्पक्षता कम हो सकती है।

एक सेवानिवृत्त अधिकारी उन विभागों के खिलाफ निर्णय लेने में संकोच कर सकता है, जिनके लिए उन्होंने कभी काम किया था, जिससे समझौतापूर्ण फैसले होते हैं। पारदर्शिता में विशेषज्ञता की कमी एक बड़ा मुद्दा है। सेवानिवृत्त सिविल सेवकों में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक विशेष ज्ञान की कमी हो सकती है, जो आरटीआई अधिनियम का मुख्य हिस्सा है। सेवानिवृत्त नौकरशाह वर्तमान सामाजिक मुद्दों से कटे हुए हो सकते हैं, जिससे सार्वजनिक शिकायतों को प्रभावी ढंग से सम्बोधित करने की उनकी क्षमता कम हो सकती है। प्रशासनिक पृष्ठभूमि से आने वाले सूचना आयुक्त समकालीन दृष्टिकोण से सूचना तक पहुँचने के बारे में जनता की चिंताओं को पूरी तरह से नहीं समझ सकते हैं। लंबे समय तक सरकारी सम्बद्धता वाले नौकरशाहों की नियुक्ति से जवाबदेही कम हो सकती है, क्योंकि उनके निर्णय सरकारी हितों के साथ संरेखित हो सकते हैं। विशिष्ट राजनीतिक दलों से सम्बंध रखने वाले नौकरशाह सरकारी निर्णयों को चुनौती देने में अनिच्छा दिखा सकते हैं, जिससे आरटीआई ढांचे की स्वतंत्रता कम हो सकती है।

सेवानिवृत्त सिविल सेवकों के प्रभुत्व का प्रभाव पड़ता है। जब चयन पूल में विविधता का अभाव होता है, तो जनता आरटीआई ढांचे की तटस्थता में विश्वास खो सकती है। सीमित नए दृष्टिकोण वाले नौकरशाहों का प्रभुत्व अक्षमता में योगदान देता है, जिससे आरटीआई अपीलों के प्रसंस्करण में देरी बढ़ जाती है। सीआईसी के 23,000 अपीलों का बैकलॉग बताता है कि नए दृष्टिकोण के बिना नौकरशाही नियुक्तियाँ नागरिक शिकायतों के समय पर समाधान में बाधा बन सकती हैं। नियुक्तियों में विविधता की कमी के परिणामस्वरूप समान पृष्ठभूमि वाले कुछ व्यक्तियों के हाथों में शक्ति केंद्रित हो जाती है। यह प्रथा नवीन विचारों या दृष्टिकोण में परिवर्तन को रोकती है जो आरटीआई अधिनियम की प्रभावकारिता में सुधार कर सकते हैं। विविध इनपुट के बिना, आरटीआई ढांचा आधुनिक आवश्यकताओं के अनुकूल होने में विफल हो सकता है, जिससे सुधार रुक सकते हैं जो इसे और अधिक प्रभावी बना सकते हैं। अगर लोगों को लगता है कि निर्णय पक्षपातपूर्ण हैं या पूर्व सरकारी अधिकारियों द्वारा प्रभावित हैं, तो वे आरटीआई प्रक्रिया से जुड़ने के लिए कम इच्छुक महसूस कर सकते हैं।

योग्य उम्मीदवारों के पूल को व्यापक बनाने के लिए सुधारों की तत्काल आवश्यकता है। विभिन्न विशेषज्ञता वाले पेशेवरों को शामिल करने से निर्णय लेने में व्यापक दृष्टिकोण आएगा। यह आरटीआई ढांचे में विविध दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है। यूके जैसे देशों में, सूचना आयुक्त कानून, पत्रकारिता और शिक्षा जैसे पृष्ठभूमि से आते हैं, जो स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बढ़ावा देते हैं। एक सार्वजनिक, पारदर्शी चयन प्रक्रिया निष्पक्षता को बढ़ावा देगी और सभी को सूचना आयुक्त की भूमिकाओं के लिए आवेदन करने का समान अवसर देगी। अमेरिका कई सरकारी निगरानी भूमिकाओं के लिए एक सार्वजनिक नामांकन प्रक्रिया का उपयोग करता है, जो उम्मीदवारों के चयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है। कार्यकाल सीमित करने और आयु प्रतिबंध लागू करने से नए दृष्टिकोण को बढ़ावा मिल सकता है और सूचना आयोगों के भीतर गतिशील नेतृत्व की अनुमति मिल सकती है। ऑस्ट्रेलिया जैसे कई राष्ट्र वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यकाल को सीमित करते हैं ताकि दीर्घकालिक रूप से जड़ता से बचा जा सके और नए विचारों को प्रोत्साहित किया जा सके।

नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ एक अधिक समावेशी दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि आरटीआई प्रणाली जनता की ज़रूरतों के प्रति उत्तरदायी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में गैर-सरकारी संगठनों के सदस्य शामिल हैं, जो विविध दृष्टिकोणों के माध्यम से मानवाधिकारों के प्रति अपने दृष्टिकोण को मज़बूत करते हैं। आवेदनों के लिए आउटरीच और जागरूकता का विस्तार करना: रिक्तियों को सक्रिय रूप से प्रचारित करना और आउटरीच कार्यक्रमों को बढ़ाना विभिन्न पेशेवर पृष्ठभूमि से उम्मीदवारों को आकर्षित करने में मदद करेगा, जिससे अधिक विविध पूल बनेंगे। न्यूज़ीलैंड जैसे देश सार्वजनिक क्षेत्र की रिक्तियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाते हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्रों से कुशल पेशेवर आकर्षित होते हैं। आरटीआई ढांचे की स्वतंत्रता और विविधता सुनिश्चित करने के लिए, सुधार आवश्यक हैं। विविध क्षेत्रों के पेशेवरों को शामिल करके पात्र उम्मीदवारों के पूल का विस्तार करने से नए दृष्टिकोण आ सकते हैं, पूर्वाग्रह कम हो सकते हैं और जवाबदेही बढ़ सकती है। अधिक समावेशी दृष्टिकोण प्रणाली की पारदर्शिता को मज़बूत करेगा, जिससे दीर्घकालिक रूप से जनता का विश्वास बढ़ेगा।

डॉ सत्यवान सौरभ

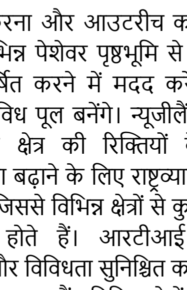

घटते छात्र, बढ़ते स्कूल: क्या शिक्षा नहीं अनुकूल?

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी 2025: सरकारी स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन छात्रों का नामांकन घट रहा है। हरियाणा में साल 2023-24 में सरकारी स्कूलों में नामांकन 22.30 लाख रहा, जो साल 2022-23 के 24.64 लाख से कम है। साथ ही, साल 2023-24 में राज्य में कुल नामांकन 56.41 लाख रहा, जबकि साल 2022-23 में यह 57.76 लाख था।साल 2022-23 में लड़कियों का नामांकन (माध्यमिक) 4.4 प्रतिशत था, जो साल 2023-24 में 4.2 प्रतिशत रह गया। दो सालों में लड़कों का नामांकन 5.7 प्रतिशत से गिरकर 5.4 प्रतिशत हो गया। शिक्षा प्रणाली में कुछ चुनौतियाँ हैं जिनके कारण भारत इष्टतम विकास को पूरा करने में सक्षम नहीं है। भारत में शिक्षा के परिदृश्य को बेहतर बनाने एवं छात्रों के नामांकन को बढ़ाने के लिए उन नीतियों पर सख्ती से काम करने की आवश्यकता है जो भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करें।

शिक्षा के लिए एकीकृत ज़िला सूचना प्रणाली की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, पर स्कूली छात्रों की संख्या घट रही है। स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत-सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5, 000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14, 89, 115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26, 52, 35, 830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्त्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022-23 व 2023-24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है। यह स्थिति अनेक सवाल खड़े करती है। क्या स्कूली शिक्षा ज्यादातर बच्चों की पहुँच के बाहर है? क्या शिक्षा का आकर्षण पहले की तुलना में घटा है?

सरकारी स्कूलों में बेहतरीन सुविधाएँ उपलब्ध होने के बावजूद, दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि नहीं हो रही है। सरकारी स्कूलों में बेहतर सुविधाओं के बावजूद, खराब गुणवत्ता वाली शिक्षा, अपर्याप्त शिक्षक प्रशिक्षण, जवाबदेही की कमी, निजी स्कूलों से प्रतिस्पर्धा और कुछ क्षेत्रों में अच्छे सरकारी स्कूलों की उपलब्धता के बावजूद निजी स्कूलों में बेहतर शिक्षण परिणाम देने की धारणा के कारण अक्सर छात्रों का नामांकन कम रहता है; इससे माता-पिता निजी स्कूलों को चुनते हैं, भले ही वे सरकारी शिक्षा का ख़र्च वहन कर सकें। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि आजकल छात्र और उनके माता-पिता सरकारी स्कूलों की तुलना में निजी स्कूलों में दाखिला लेना पसंद करते हैं। हम ग्रामीण क्षेत्रों में भी यही प्रवृत्ति देखते हैं, जहाँ अधिकांश माता-पिता कृषि पर निर्भर हैं और कम आर्थिक वर्ग से हैं।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे स्कूलों में बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करें ताकि अधिक से अधिक छात्रों को सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने के लिए आकर्षित किया जा सके। सुविधाओं में सुधार के बावजूद सरकारी स्कूलों में कम नामांकन के मुख्य कारण हैं अपर्याप्त शिक्षक प्रशिक्षण, कम प्रेरणा और शिक्षकों की उच्च अनुपस्थिति सरकारी स्कूलों में सीखने की गुणवत्ता को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती है, जिससे माता-पिता बेहतर शिक्षक मानकों वाले निजी स्कूलों का विकल्प चुनते हैं। जब सरकारी स्कूलों में अच्छा बुनियादी ढांचा होता है, तब भी माता-पिता के बीच यह धारणा बनी रहती है कि निजी स्कूल बेहतर शिक्षा प्रदान करते हैं, जिससे निजी संस्थानों को प्राथमिकता मिलती है। सरकारी स्कूलों में खराब निगरानी और मूल्यांकन प्रणाली शिक्षा की असंगत गुणवत्ता को जन्म दे सकती है, जिससे माता-पिता का आत्मविश्वास और भी कम हो सकता है।

सुविधाओं और मार्केटिंग रणनीतियों वाले निजी स्कूलों की तेज़ी से वृद्धि अक्सर छात्रों को सरकारी स्कूलों से दूर कर देती है, यहाँ तक कि उन क्षेत्रों में भी जहाँ सार्वजनिक शिक्षा के अच्छे विकल्प हैं। कुछ मामलों में, माता-पिता सामाजिक दबाव या उच्च सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले साथियों के नेटवर्क तक पहुँचने की इच्छा के कारण निजी स्कूलों का चयन कर सकते हैं। सरकारी स्कूल हमेशा अपने पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियों को आधुनिक शैक्षिक प्रथाओं के साथ संरेखित करने के लिए अपडेट नहीं कर सकते हैं, जिससे गुणवत्ता में अंतर पैदा होता है। हमें सच्चाई को स्वीकार करना होगा, हालाँकि यह कड़वी है। अपर्याप्त सुविधाएँ, शिक्षकों की कम उपस्थिति और पुरानी शिक्षण पद्धतियाँ कुछ ऐसे कारण हैं, जिनके कारण लोग मुफ्त सरकारी स्कूलों को छोड़कर महंगी फीस वाले निजी संस्थानों को चुन रहे हैं, जो कि बहुत अच्छा संकेत नहीं है।

समस्या केवल यह नहीं है कि निजी स्कूलों में सरकारी स्कूलों की तुलना में दाखिले अधिक होते हैं। सरकारी स्कूलों में देखभाल और ध्यान कम होगा। सरकारी स्कूलों में प्रक्रिया पर औसत नज़र रहेगी। उचित बुनियादी ढांचे की उपलब्धता का सवाल ही नहीं उठता। अपर्याप्त स्टाफ़ के साथ चलने वाले ज़्यादातर स्कूलों में यह बहुत आम बात है। मुख्य रूप से माता-पिता के प्रति उनके बच्चों की शिक्षा के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है। जबकि निजी स्कूलों में उपर्युक्त रणनीति के फॉर्मूलेशन उपलब्ध होंगे, इसके अलावा स्कूल की क्षमता बढ़ाने के लिए व्यावसायिक हथकंडे भी जोड़े जाएँगे। देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाक़ी है। बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर होने के बावजूद छात्रों की संख्या का घटना गहन विमर्श का विषय है।

सरकारी स्कूलों में शिक्षण मानकों को बेहतर बनाने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण, योग्य शिक्षकों की भर्ती और प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन को प्राथमिकता दें। स्कूल के प्रदर्शन की निगरानी करने, सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने और छात्रों के सीखने के परिणामों के लिए स्कूलों को जवाबदेह बनाने के लिए मज़बूत सिस्टम लागू करें। विश्वास बनाने और सरकारी स्कूलों को बढ़ावा देने के लिए स्कूल के निर्णय लेने में माता-पिता और समुदाय के नेताओं को शामिल करें। प्रासंगिकता और वर्तमान आवश्यकताओं के साथ संरेखण सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम की नियमित समीक्षा करें और उसे अद्यतन करें। अनुकूल शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए सरकारी स्कूलों में भौतिक बुनियादी ढांचे में सुधार करने में निवेश करना जारी रखें। नकारात्मक धारणाओं को दूर करने और नामांकन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारी स्कूलों में उपलब्ध शिक्षा की गुणवत्ता को उजागर करने वाले अभियान चलाएँ।

शिक्षा प्रणाली में कुछ चुनौतियाँ हैं जिनके कारण भारत इष्टतम विकास को पूरा करने में सक्षम नहीं है। भारत में शिक्षा के परिदृश्य को बेहतर बनाने एवं छात्रों के नामांकन को बढ़ाने के लिए उन नीतियों पर सख्ती से काम करने की आवश्यकता है जो भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करें॥

प्रियंका सौरभ

जलवायु परिवर्तन का परिणाम है अमेरिका में लगी आग, भारत को भी रहना होगा सावधान

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी 2025: अमेरिका के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स में लगी आग ने विश्व को हिला कर रख दिया है। बीते मंगलवार रात को लगी इस आग में कम से कम दस लोगों की मौत हो गई है और हजारों घर जलकर खाक हो गए हैं। लॉस एंजिल्स के अलग-अलग इलाकों में 1,30,000 से ज्यादा लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया गया है। कैलिफोर्निया की अग्नि सुरक्षा विभाग के मुताबिक सबसे पहले मंगलवार सुबह करीब साढ़े दस बजे आग लगने की खबर मिली थी। लॉस एंजिल्स के पैसिफिक पैलिसेड्स में लगी यह आग तब तक विकराल रूप ले चुकी थी। अधिकारी आग लगने के शुरुआती वजहों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। 2025 की शुरुआत ही प्रलय की दस्तक के साथ हुई है। अमेरिका में लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी भयानक आग बढ़ती ही जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि तेज हवाएं आग को और भड़का सकती हैं। लॉस एंजिलिस शहर और उसके आसपास जंगलों में लगी भीषण आग के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है जबकि कम से कम 12 हजार मकान, इमारतें और अन्य ढांचे जलकर राख हो चुके हैं।

इस आग का कारण खोजने पर कई उत्तर मिलते है। दरअसल मनुष्यों ने जब से तापमान नापना सीखा है, तबसे लेकर आज तक 2024 सबसे गर्म साल रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है, "हम पिछले एक दशक से घातक गर्मी का सामना कर रहे हैं"। जापान, भारत, इंडोनेशिया, चीन, ताईवान, जर्मनी और ब्राजील, सभी में अधिकतम तापमान के नए रिकार्ड कायम हुए। यह बढ़ती गर्मी अब पृथ्वी के वाटर साइकिल पर असर डालने लगी है। सन् 2024 में पानी से जुड़ी त्रासदियों और संकटों के कारण कम से 8,700 लोगों ने अपनी जानें गंवाईं, चार करोड़ लोग विस्थापित हुए और 550 अरब डालर से अधिक का माली नुकसान हुआ।

लास एंजिल्स इसलिए जल रहा है क्योंकि पिछले नौ महीनों के दौरान कोई खास बारिश नहीं हुई। तेज हवाएं सात जनवरी को कई जंगली आगों का कारण बनीं। इसी तरह, वैश्विक तापमान में वृद्धि से उत्तरी अमेरिका में बर्फीले तूफानों की संख्या बढ़ती जा रही है। अत्यंत ठंडी हवा का जो बवंडर सामान्यतः उत्तरी ध्रुव के आसपास आर्कटिक तक सीमित रहता है, आगे बढ़ने लगा है जिससे अमेरिका, यूरोप और एशिया में भयानक सर्दी पड़ने लगी है। इस बीच हमारे अपने देश में अभी दो धूप भरे दिनों का जश्न मनाया गया। किसी को भी इस बात अहसास नहीं है कि हालांकि उत्तर भारत का कोहरे की चादर में लिपट जाना और यहां ठिठुरन भरी सर्दी पड़ना सामान्य है लेकिन जो हो रहा है वह सामान्य नहीं है।

आंकड़ों के मुताबिक, 2024 के शुरूआती नौ महीनों में 90 प्रतिशत से अधिक दिनों में भारत में कम से कम एक "अत्यंत गंभीर जलवायु संबंधी घटना" जैसे बाढ़ या तूफान आना घटित हुई। उपलब्ध रिकार्डों के अनुसार, जुलाई से अक्टूबर तक की अवधि में 1901 के बाद का सर्वाधिक न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। दिल्ली के बाद अब मुंबई, पुणे और बंगलौर जैसे शहरों सहित दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों में भी हवा ज़हरीली हो रही है।

भारत में आगे चलकर जलवायु के हालात और बिगड़ने वाले हैं। भारत वैश्विक औसत से अधिक गर्म है। यह दुनिया का अपेक्षाकृत निर्धन इलाका है जहाँ 140 करोड़ लोग रहते है। आने वाले समय में ग्रीनहाऊस गैसों के उत्सर्जन का वैश्विक स्तर चाहे जो भी हो और मोदी सरकार ने भले ही प्लास्टिक, बीएस तीन और बीएस चार वाहनों पर रोक लगा दी हो मगर आने वाले सालों में जलवायु संकट की स्थिति और बिगड़ना तय है। इंस्टिट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स नाम की एक शोध संस्था के मुताबिक, जलवायु संबंधी परियोजनाओं पर होने वाला खर्च, जो 2015 में जीडीपी का 3.7 प्रतिशत था, 2021 में बढ़कर 5.6 प्रतिशत हो गया है। लेकिन इसे बहुत कम माना जा रहा है।

लेकिन भारत के लिए खर्च से अधिक महत्वपूर्ण है राजनीतिक इच्छाशक्ति और नई और पुरानी तकनीकों का अधिकाधिक इस्तेमाल। मगर हमारे यहाँ धार्मिक और क्षेत्रीय आधारों पर राजनीति की जा रही है और जानकारियों की जगह प्रोपेगेंडा ने ले ली है। कोई नहीं जानता कि 2024 की गर्म हवाओं में कितने लोगों ने अपनी जानें गवाईं, सिवाए इसके कि चुनावों के दौरान उत्तरप्रदेश में एक ही दिन में 33 मतदान अधिकारी इसके शिकार हुए। लेकिन जनता ऊंचे पहाड़ों और समुद्रों में स्थित धार्मिक स्थलों के पर्यटन में व्यस्त है। इस समय ठिठुरन भरी सर्दी चिंता का मुद्दा नहीं है बल्कि आप देख सकते हैं कि लोग ट्रेनों और बसों में लगभग एक दूसरे के ऊपर चढ़कर महाकुंभ में पहुंचने में जुटे हुए हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि 2025 भी उतना ही गर्म होगा, जितना गुजरा साल था। शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि 2025 की मौसम संबंधी भविष्यवाणियों और वर्तमान स्थितियां यह संकेत कर रही हैं कि उत्तरी दक्षिण अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका और एशिया के कुछ हिस्सों में सूखे के हालात और बदतर होंगे। सहेल और यूरोप के अधिक वर्षा वाले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढेगा। बल्कि शायद 2025, पिछले साल से भी अधिक झुलसानेवाला साल साबित हो सकता है। प्रशांत महासागर के ला नीना चरण में पहुंचने के बावजूद, जिसमें समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से कम रहता है और कुल मिलाकर अपेक्षाकृत ठंडक रहती है, तापमान अधिक रहने की संभावना है।

मगर भारत में जलवायु जनसरोकार नहीं है। लोगों को तूफानों, ठिठुराने वाली सर्दी और जलाने वाली गर्मी की कोई चिंता नहीं है। और अब जबकि 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप सत्ता संभालने जा रहे हैं, जलवायु संबंधी प्रयासों को बड़ा धक्का लगना निश्चित है। ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि उनका इरादा यह है कि अमेरिका को पेरिस समझौते से अलग कर दिया जाए। पेरिस समझौता जलवायु परिवर्तन संबंधी संयुक्त राष्ट्रसंघ के झंडे तले किया गया कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता है। 2025 में युद्ध भी बढ़ेंगे, एक और सीओपी का आयोजन होगा- शायद अमेरिका के बिना – जहां केवल तस्वीरें खींची जाएंगीं, और इसी दौरान अमेजन सूखती जाएगी, प्रशांत महासागर के द्वीप गायब होते जाएंगे और आप और मैं चिलचिलाती गर्मी का शिकार होते रहेंगे। मौसम के ये मिजाज़ हमें बता रहे हैं कि हम क़यामत की और बढ़ते जा रहे हैं।

जंगलों में आग के दो कारण होते हैं। एक है प्राकृतिक और दूसरा अप्राकृतिक। पहले प्राकृतिक कारणों पर आते हैं। आग को जलने के लिए दो चीजों की जरूरत होती है। ऑक्सीजन और तापमान। जंगल ऐसी जगह है, जहां ये दोनों चीजें बखूबी मिलती हैं और यहां की सूखी लड़कियां इस आग के लिए फ्यूल की तरह काम करती हैं। ज्यादा गर्मी या फिर बिजली गिरने पर जरा सी चिंगारी यहां भीषण आग बनने का कारण बन जाती है। वहीं तेज हवाओं के कारण आग पर काबू करना मुश्किल हो जाता है और आग तेजी से फैलती है।

अब अप्राकृतिक कारणों की बात करते हैं। बीते कुछ सालों में हरे भरे जंगलों में इंसानों के पहुंचने का सिलसिला काफी बढ़ा है। छुट्टियां मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग जंगलों में कैंपिंग करते हैं, यहां खाना पकाते हैं और स्मोकिंग भी करते हैं। इस दौरान उनकी जरा सी लापरवाही जंगल में आग का कारण बन जाती है। इसके अलावा ऐसे भी मामले सामने आए हैं, जिनमें रील बनाने के चक्कर में लोगों ने जंगलों को आग के हवाले कर दिया।

अमेरिका में सबसे बड़ा अग्निकांड 1910 में हुआ था, जब इनलैंड नॉर्थवेस्ट में एक जंगल में लाग लग गई थी। इस आग ने पश्चिमी मोंटाना और उत्तरी इडाहो में तीन मिलियन एकड़ जमीन को जलाकर खाक कर दिया था। इस घटना में 85 लोगों की मौत हुइ थी, जिसमें 78 फायरफाइटर्स थे। जानकारी के मुताबिक, यह अग्निकांड रिकॉर्ड कम बारिश के बाद हुआ था। अग्निकांड का इतना भीषण होने का बड़ा कारण यहां 70 मील प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं थीं, जिसे कारण आग बेकाबू हो गई और एक बड़े इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। 23 अगस्त को बारिश के बाद इस आग पर काबू पाया गया था।

अभी जिस तरह की तबाही से अमेरिका दो-चार हो रहा है, कुछ वैसी ही तबाही पिछले साल भारत में भी मची थी। अप्रैल 2024 में उत्तराखंड के जंगलों में आग लगी थी। अल्मोड़ा के जंगलों में तो 41 दिनों तक आग धधकती रही थी। 10 लोगों की मौत हुई थी। सैकड़ों एकड़ जंगल स्वाहा हो गए थे। 6 मई 2024 की पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 1 नवंबर 2023 से 5 मई 2024 तक उत्तराखंड के जंगलों में आग लगने की कुल 575 घटनाएं दर्ज हुई थीं जिससे करीब 690 हेक्टेयर यानी 1705 एकड़ क्षेत्र प्रभावित हुआ था। आग लगने की वजहों में क्लाइमेट चेंज तो था ही, मानवीय लापरवाही ने भी बड़ी भूमिका निभाई थी।उत्तराखंड के जंगलों में 2016 में भी भीषण आग लगी थी। तब अप्रैल और मई के बीच में करीब 1600 आग की घटनाएं दर्ज हुई थीं। 4538 हेक्टेयर यानी 11213 एकड़ जंगल स्वाहा हो गया था।फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के मुताबिक भारत के वन क्षेत्र का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा आग के लिहाज से बेहद संवेदनशील है।देश में अभी दो धूप भरे दिनों का जश्न मनाया गया। किसी को भी इस बात अहसास नहीं है कि हालांकि उत्तर भारत का कोहरे की चादर में लिपट जाना और यहां ठिठुरन भरी सर्दी पड़ना सामान्य है लेकिन जो हो रहा है वह सामान्य नहीं है। मौसम के ये मिजाज़ हमें बता रहे हैं कि हम क़यामत की और बढ़ते जा रहे हैं।

अशोक भाटिया

आपका काव्य लेखन आपके लिये आपका आत्म सम्मान

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी 2025: महाराष्ट्र नागपुर, आज मन के भीतर चल से स्वयं के अंतर्द्वंद्व कि आवाज़ को बहुत ही कान लगा कर सुन रही थी। पहले कुछ समझ नहीं आया कि क्यों मेरा मन, भाव, जज़्बात के बीच अंतर्द्वंद्व छिड़ा हुआ है? तब यकायक मुझे दिमाग के चिल्लाने की आवाज़ आई, आवाज़ कुछ कर्कश, क्रोध से भरी हुई थी। आखिर ऐसा क्या हो गया कि मेरा दिमाग़ मन के भावों के विचार सुन इतना आक्रोश में आ गया? तब पुनः खुद के भीतर हो रहे द्वंद पर कान लगाए।

अरे-अरे! वो कहावत सुनी होगी ना कि दीवारों के भी कान होते हैं ठीक उसी मुहावरे पर जैसे में खरी उतर रही थी और कान लगा सुन रही थी सब तब पता चला कि जिस बात पर इतना द्वंद चल रहा है वो बात कोई विशेष नहीं है दुनिया के लिये परंतु वो बात अगर विशेष है तो स्वयं के लिये, स्वयं के आत्म सम्मान के लिये। जानते हैं किस विषय पर मन, भाव, दिमाग, जज़्बात मेरे द्वंद कर रहे थे? उनके बीच द्वंद्व का विषय था कि काव्य लेखन आत्म सम्मान....

काव्य लेखन आत्म सम्मान....अर्थात जो आप लिख रहे हैं वो आपके प्रति क्या है मतलब कि आप सिर्फ खुद कि वाहवाही चाहते हैं लेखन से या आप अपने लेखन से खुद को सुकून दे खुद के आत्म सम्मान चाहते हैं। सच विषय पर यदि गंभीरता से ध्यान दें तो उस अर्थ विस्तार से यही निकलता है कि जो भी लेखक काव्य लेखन करता है उसे अपने काव्य लेखन को पढ़ सुकून मिले और उसे अपने ऊपर गर्व हो खुद को खुशी महसूस हो और उसे ये अनुभव हो कि मैं भी लिख सकती हू या लिख सकता हू घमंड नहीं परंतु गर्व और खुद के आत्म सम्मान कि अनुभूति हो तो आपका लिखना सफल हो जाता है। सर्वप्रथम स्वयं कि खुशी, उसके बाद पाठकों कि खुशी।

आलौचक तो अनगिनत मिल जाते हैं लेखक को और बहुत से लोग आलौचको के दिये अज्ञान रूनी ज्ञान को इतनी गहराई से हृदय में उतार लेते हैं कि वो ये मान बैठते हैं कि उन्हें अब नहीं लिखना चाहिए या मैं नहीं लिख सकता या नहीं लिख सकती जैसी हीन भावना मन में घर कर जाती है। अरे यदि कोई आलौचक कुछ आलौचना करता है तो अपनी कलम कि प्रखर आवाज़ से जोश भरे शब्दों में काव्य रूप में ही ऐसा जवाब दें कि आलौचक स्वयं अपने अज्ञान रूपी ज्ञान के हथियार को विवश हो आपके चरणों में समर्पित कर दें। आप जब तक स्वयं के लेखन का आंकलन दूसरों के कहने पर कम करेंगे तो दूसरे आपकी इसी कमजोरी का फ़ायदा उठाते हुए उसी आपकी कमजोर कड़ी पर वार दर वार करते ही रहेंगे और साहित्य जगत से आपके पांव को जमने से पहले ही उखाड़ फेंकेगे। अब आप सोचिये की आपका लेखन आपके प्रति क्या है? क्या आपका लेखन शैली, आपकी कलम आपके स्वयं के सुकून के लिये है या दुनिया कि झूठी हमदर्दी, वाहवाही के लिये है। मेरा लेखन मेरी कलम मेरी ताकत मेरा स्वयं का आत्म सम्मान है ये सोच से आगे जो साहित्य जगत में आगे बढ़े हैं वो एक मुकाम को जरूर पा सके हैं और वो पा भी रहे हैं। आज भी याद है वो दिन वो दिनांक वो वर्ष मुझे जब मेरे ही परिवार के सम्मानित वरिष्ठ सदस्य ने जब मुझे कहा था कि लोग बस यहॉं से वहॉं चोरी करके काव्य भेज अपने आप को कवि समझने लगते हैं और साथ ही कथा था अगर तुम लिखती हो तो चलो उठाओ कागज़ कलम और अभी लिख के बताओ कुछ बहुत दुःख हुआ था तब परंतु अपनी कलम को इन अज्ञानी कटु शब्दों से घायल नहीं होने दिया और मैं लिखती चली गई आज मेरी लेखनी किसी के लिये मायने रखते या न रखे, वाहवाही मिले या न मिले मैं सिर्फ खुद के लिये लिखती हूं। खुद के सुकून के लिये और आज भी मेरी लेखनी संग मेरा आत्म सम्मान मेरी नजरों में बरकरार है।

वीना आडवानी तन्वी

धनबाद में इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (इंटरनेशनल) द्वारा महाराष्ट्र के पदाधिकारियों का भव्य सम्मान समारोह

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): पत्रकारिता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले महाराष्ट्र के पदाधिकारियों को इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (इंटरनेशनल), नई दिल्ली द्वारा झारखंड के धनबाद में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। इस विशेष अवसर पर पदाधिकारियों को शाल, श्रीफल और सम्मान पत्र देकर उनका अभिनंदन किया गया।

इस सम्मान समारोह में इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (इंटरनेशनल) के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एम. अली और राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जहांगीर के कर-कमलों द्वारा महाराष्ट्र के वरिष्ठ पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष मदन (बापू) कोल्हे, महाराष्ट्र मीडिया प्रमुख देवानंद शंकरराव वाकळे, संपादक

वैभवज्वाला, महाराष्ट्र सचिव संतोष शिंदे, संपादक भावनगरी, महाराष्ट्र कार्यकारिणी सदस्य सुदाम गांधारे और मराठवाड़ा अध्यक्ष राजकुमार एंगडे सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत महाराष्ट्र के दिवंगत पूर्व अध्यक्ष संजयकुमार कोटेचा को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके उत्कृष्ट कार्यों को याद करने से हुई। उनके योगदान को संगठन के लिए एक प्रेरणा बताते हुए, सभी पदाधिकारियों ने उनके प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और महासचिव ने महाराष्ट्र में संगठन के कार्यों की समीक्षा की और आगामी नीतियों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि संगठन पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा और समाज के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जहांगीर ने कहा "इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (इंटरनेशनल) न केवल पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा के लिए संकल्पित है, बल्कि यह समाज में सच्ची और निष्पक्ष पत्रकारिता को प्रोत्साहित करने के लिए भी कार्य कर रहा है।

हम अपने सदस्यों को एकजुट कर उनके अधिकारों की रक्षा करने, पत्रकारिता के आदर्शों को मजबूत करने और सत्य की शक्ति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जब तक पत्रकार सुरक्षित नहीं होंगे, लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सकता। इसलिए हम सभी को संगठित होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा और समाज को सशक्त बनाने में अपनी भूमिका निभानी होगी।

इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (इंटरनेशनल) न केवल पत्रकारों के अधिकारों के लिए काम कर रही है, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाने और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर अपनी अहम भूमिका निभा रही है। संगठन ने घोषणा की कि आने वाले समय में विभिन्न राज्यों में पत्रकारों के हितों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस भव्य आयोजन में उपस्थित पत्रकारों और पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती और पत्रकारों के अधिकारों को लेकर गहन चर्चा की। इस सम्मान समारोह ने महाराष्ट्र के पत्रकारों को नई ऊर्जा और प्रेरणा दी, जिससे वे अपने क्षेत्र में और अधिक प्रभावी तरीके से कार्य कर सकें।

इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (इंटरनेशनल) पत्रकारों के लिए एक मजबूत मंच बनकर उभरा है, जो पत्रकारिता की सशक्त आवाज को बुलंद करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन की बैठक में जन विक्रेताओं की समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (प्रतिनिधि) भागलपुर-: फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन की बैठक जिला अध्यक्ष रंजन कुमार यादव की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस दौरान जन वितरण दुकानदारों की समस्याओं और मार्जिन मनी पर विस्तार से चर्चा की गई।

साथ हीं मार्जिन बढ़ोतरी के लिए पटना हाई कोर्ट में सरकार के खिलाफ केस करने हेतु विचार विमर्श किया गया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिला के सभी विक्रेता नापतोल करके अनाज लें, नापतोल करके अनाज देने में अगर कोई डीएसडी इनकार करता है तो अपने पाऊस मशीन में अनाज को रिसीव नहीं करें, जब तक कि वह माप तोल पर राजी ना हो जाए। जिसकी सूचना जिला के वरीय पदाधिकारी को संगठन के द्वारा लिखित रूप में दी गई है। मार्च के अंतिम सप्ताह में जिला स्तरीय वार्षिक सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया है। वार्षिक सम्मेलन के सफलता हेतु एवं विक्रेताओं के अन्य समस्याओं को गंभीरता पूर्वक विचार हेतु 16 फरवरी को बूढ़ानाथ स्थित फार्म हाउस में प्रखंड कमिटी, अनुमंडल कमेटी एवं जिला कमेटी के सभी सदस्यों का विस्तारित बैठक रखी गई है, जिसमें विस्तार पूर्वक इन विषयों पर चर्चा की जाएगी।

वहीं प्रदेश संगठन मंत्री शशिधर कुमार सिंह के सहमति से जिला इकाई ने गोराडीह के जन् विक्रेता विनय कुमार दास को कार्यकारी अध्यक्ष गोराडीह मनोनीत किया है।
बैठक में प्रदेश महामंत्री शशिधर प्रसाद सिंह, अरविंद चौधरी, अभिनंदन यादव, इलियास, हसनैन अंसारी, प्रदीप यादव, विपिन कुमार, राजेश कुमार, प्रेम कुमार मंडल, हरेराम, अली बाबू, प्रदीप कुमार, सुभाष राम, मतीन, दिलीप दास, गिरधारी सहित दर्जनों विक्रेता उपस्थित थे।

क्या आप लगा पाएगी दिल्ली में चुनावी चौका

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी 2025: आगामी पांच फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। चुनाव जीतने के लिए सभी राजनीतिक दल जोड़-तोड़ करने में जुट गए हैं। चुनाव में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), आम आदमी पार्टी (आप) व कांग्रेस पार्टी के बीच होना तय माना जा रहा है। पिछले दो विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला आप व भाजपा के बीच हुआ था। कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत खराब रहा था। मगर इस बार कांग्रेस पार्टी पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ने जा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में जहां कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी से गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। वहीं विधानसभा चुनाव कांग्रेस अकेले ही लड़ेगी। कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने व पिछले लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने के कारण दिल्ली विधानसभा चुनाव में मुकाबला त्रिकोणात्मक होने की संभावना बनने लगी है। दिल्ली में तीन बार सरकार बनाकर आप ने मजबूत पकड़ बनायी हैं। वहीं लोकसभा चुनाव में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद भाजपा आप के सामने टिक नहीं पा रही है।

आप के अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस पार्टी के समर्थन से 28 दिसंबर 2013 को पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। मगर कांग्रेस द्वारा समर्थन वापस लेने के चलते 49 दिन में ही सरकार गिर गई थी। फरवरी 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आप ने 67 सीटें जीतकर एक नया इतिहास रच दिया था। आप को 54.34 प्रतिशत वोट मिले थे। अरविंद केजरीवाल ने 14 फरवरी 2015 को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उस चुनाव में भाजपा को मात्र तीन सीट तथा 32.19 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली तथा वोट भी घटकर 9.65 प्रतिशत रह गये थे।

2020 के विधानसभा चुनाव में आप ने 62 सीटे जीतकर 53.57 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 16 फरवरी 2020 को अरविंद केजरीवाल तीसरी बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे। 2020 के चुनाव में भाजपा की सीट तीन से बढ़कर आठ तक पहुंच गई थी तथा वोटो का प्रतिशत भी बढ़कर 38.51 प्रतिशत हो गया था। कांग्रेस को इस बार भी कुछ नही मिला था। कांग्रेस को 4.26 प्रतिशत वोट ही मिले थे। कांग्रेस के अधिकांश प्रत्याशियों की जमानत जप्त हो गई थी।

2 अक्टूबर 2012 को गांधी जयंती के दिन आम आदमी पार्टी का गठन किया गया था। पार्टी के गठन के ठीक एक साल एक महीने और दो दिन बाद 4 दिसंबर 2013 को दिल्ली विधानसभा चुनाव के वोट डाले गए थे। 8 दिसंबर 2013 को चुनाव के नतीजे आए तो आप को 28 सीटें तथा 29.49 प्रतिशत वोट मिले थे। पार्टी अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को उनकी नई दिल्ली सीट पर करीब 26000 वोटो से हराया था। उस चुनाव में भाजपा को 31 सीट व 33.07 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं कांग्रेस को 8 सीट व 24.55 प्रतिशत वोट मिले थे।

उस वक्त कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता से दूर रखने के चक्कर में आप को समर्थन देकर अरविंद केजरीवाल को पहली बार मुख्यमंत्री बनवाया था। कांग्रेस की यही भूल अब तक कांग्रेस को लगातार जीरो पर आउट कर रही है। उस वक्त यदि कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी को समर्थन नहीं दिया होता तो आगे विधानसभा चुनाव के नतीजे अलग हो सकते थे। मगर अपनी भूल का कांग्रेस आज तक खामियाजा उठा रही है। 1998 से 2008 तक लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीत कर सरकार बनाने वाली कांग्रेस 2013 में मात्र 8 सीटों पर सिमट गई थी। कांग्रेस की एक भूल उस पर इतनी भारी पड़ गई कि वह आज तक संभल नहीं पा रही है।

दिल्ली में लोकसभा चुनाव के करीब 8 महीने बाद विधानसभा चुनाव होते हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा 2014 से 2024 तक लगातार दिल्ली की सातों सीटों पर जीत दर्ज करवाती आ रही है। वहीं विधानसभा चुनाव में मतदाताओं के वोट डालने का ट्रेंड बदल जाता है। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सभी सात सीटों पर जीत दर्ज कर 46.63 प्रतिशत यानी 38 लाख 38 हजार 850 वोट प्राप्त किए तथा 60 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। आप को 33.08 प्रतिशत यानी 27 लाख 22 हजार 887 वोट मिले थे तथा 10 सीटों पर आगे रही थी। वहीं कांग्रेस को 15.22 प्रतिशत यानी 12 लाख 53 हजार 78 वोट मिले थे। कांग्रेस एक सीट पर भी आगे नहीं थी। वही 2015 के विधानसभा चुनाव में आप को 67 सीटों पर जीत मिली थी।

इसी तरह 2019 में भाजपा ने 56.85 प्रतिशत यानी 49 लाख 8 हजार 541 वोट लेकर सभी सीट जीती थी। तथा 65 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। वहीं आप को 18.20 प्रतिशत यानी 15 लाख 71 हजार 687 वोट मिले थे और सीट एक भी नहीं जीती थी। आप किसी विधानसभा सीट पर आगे नहीं रही थी। वहीं कांग्रेस को 22.63 प्रतिशत यानी 19 लाख 53 हजार 900 वोट मिले थे। कांग्रेस को सीट एक भी नहीं मिली मगर पांच विधानसभा सीट पर आगे रही थी।

2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने लगातार तीसरी बार सभी सातों सीटों को जीतकर 54.35 प्रतिशत यानी 48 लाख 44 हजार 180 वोट प्राप्त किए थे। वहीं 52 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। आप को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। पार्टी को 24.17 प्रतिशत यानी 21 लाख 54 हजार एक वोट मिला था। पार्टी 10 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। वहीं कांग्रेस का भी सुपड़ा साफ हो गया था तथा उसे एक भी सीट नहीं मिली थी। कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी से समझौता कर चुनाव लड़ा था। समझौते में आप ने चार व कांग्रेस ने तीन सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिसमें कांग्रेस को 18.91 प्रतिशत यानी 16 लाख 85 हजार 494 वोट मिले थे। कांग्रेस ने आठ विधानसभा सीटों पर बढ़त हासिल की थी।

पिछले दो विधानसभा चुनाव के मतदान का ट्रेंड देखे तो दिल्ली में करीबन 16 से 18 प्रतिशत मतदाता ऐसे होते हैं जो किसी भी पार्टी के समर्थन नहीं है। वह हवा का रूख देख कर मतदान करते हैं। आप को स्विंग वाटरों की बदौलत दो बार भारी बहुमत मिल चुका है। स्विंग वोटर का झुकाव जिधर होता है उसी की जीत तय होती है। लोकसभा चुनाव में तो राष्ट्रीय मुद्दों के चलते स्विंग वोटर भाजपा की तरफ झुक जाता है। मगर विधानसभा चुनाव में उसका मूड बदल जाता है। जिसका लाभ आम आदमी पार्टी को मिलता है।

पांच फरवरी को होने वाले मतदान में सबसे बड़ी भूमिका इन फ्लोटिंग वोटरों की होगी। इनका झुकाव जिस तरफ होगा उसी पार्टी को जीत मिलेगी। चुनाव में बहुत कम समय बचा है। ऐसे में सभी पार्टियों के दिग्गज नेता चुनावी मैदान में उतरकर अपनी पार्टी के प्रत्याशियों को जीत दिलाने के लिए जुटे हुए हैं। जेल जाने के चलते अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। उनके स्थान पर अतिशी मार्लेना को 21 सितंबर 2024 को मुख्यमंत्री बनाया गया था। उसके बाद से आम आदमी पार्टी में बड़ी उठा पटक मची हुई है। इसी के चलते पार्टी ने बड़ी संख्या में पुराने विधायकों की टिकट काटी है। दूसरे दलों से आने वाले दलबदलुओं को भी बड़ी संख्या में टिकट दिया गया है।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव ने तो इंडिया गठबंधन की नींव तक हिला डाली है। जहां गठबंधन में शामिल कांग्रेस व आप आमने-सामने चुनाव लड़ रहे है। वहीं तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, शिवसेना (यूबीटी) ने आप को समर्थन देने की घोषणा कर कांग्रेस को ठेंगा दिखा दिया है। आप के लिए लगातार चौथी बार जीत का चौका लगाने का सुनहरा मौका है। वहीं भाजपा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में अपनी सरकार बना कर डबल इंजन की सरकार का नारा सार्थक करना चाहती है। कांग्रेस का भी प्रयास है कि कुछ सीट जीत कर अपनी खोई प्रतिष्ठा को फिर से हासिल किया जाए। बहरहाल सभी दलों के लिए इस बार का चुनाव बड़ा ही रोमांचक व कड़ी टक्कर वाला होने जा रहा है। मगर दिल्ली का मुख्यमंत्री वही बनेगा जिसे दिल्ली की जनता चाहेगी।

रमेश सर्राफ धमोरा
(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

परिसर के सौंदर्यीकरण के लिए हरसंभव मदद किया जाएगा: प्रखण्ड विकास पदाधिकारी

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (पटना): चण्डी प्रखण्ड के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं सर्किल ऑफिसर ने नालन्दा अभियंत्रण महाविद्यालय, चण्डी के परिसर का निरीक्षण किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो०(डॉ) गोपाल नंदन ने पदाधिकारियों को भवन के साथ साथ खेल मैदान का भ्रमण कराया और विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पदाधिकारियों को खेल परिसर से जुड़ी समस्याओं कि ओर ध्यान आकृष्ट किया और बताया कि खेल मैदान अगल बगल के भूमि से काफी गहरा है

जिसके चलते बारिश में पानी भर जाता है और छात्र- छात्राओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने परिसर के सौंदर्यीकरण हेतु हर संभव मदद करने का अश्वासन दिया।

सलाना उर्स पर चादर गस्ति सह कव्वाली का आयोजन, तैयारी पूरी

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के राजगंज लक्ष्मीपुर में पश्चिम बंगाल के मालदा जिला स्थित पांडवा शरीफ़ का सलाना उर्स के मौके पर एक दिवसीय चादर गस्ति सह कव्वाली का प्रोग्राम किया जाएगा। युवा समाजसेवी मो० गुलफराज ने बताया कि विगत कई वर्षों से यह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष सोमवार 20 जनवरी प्रातः 10 बजे से संध्या 6 बजे तक चादर शरीफ़ को पूरे गांव में घुमाया जाएगा। साथ हीं कार्यक्रम में भागलपुर के सूफी कव्वाल इमरान वारसी के द्वारा कव्वाली भी पेश किया जाएगा। वहीं मो० मोज्जम, मो० वाकिब, मो० तबरेज, मो० मुराद सहित समस्त ग्रामीण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर तन-मन धन से सक्रिय है।

ढाई सौ कंबलों का वितरण

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): बढ़ती ठंड को देखते हुए झरिया विधायक रागिनी सिंह ने शनिवार को बोरागढ़ दुर्गा मंदिर के समीप स्थानीय जरूरतमंदों के बीच स्वयं मद से ढाई सौ कंबलों का वितरण किया जिसमें कई बुजुर्ग महिलाएं पुरुष और बच्चे शामिल रहे वही सभी लाभुकों ने श्रीमती सिंह का आभार व्यक्त किया। वही इस अवसर पर झरिया विधायक श्रीमती रागिनी सिंह ने उपस्थित सभी लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने की अपील की।इस दौरान मुख्य रूप से संजय सिंह संतोष शर्मा सुनील सिंह चालू सिंह अनिक सिंह रूपेश कुमार डुलडुल सिंह बबलू सिंह आदि मौजूद थे।

उप-मुखिया एवं वार्ड सदस्यों को मिला प्रशिक्षण

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड कार्यालय स्थित ट्रायसेम भवन सभागार में पंचायती राज विभाग की ओर से एक दिवसीय गैर अवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे ग्राम पंचायत रिफ़ातपुर, बाखरपुर पूर्वी, रानी दियारा एवं खवासपुर से संबंधित सभी वार्ड सदस्य व उप मुखिया को पंचायत सचिव शुभम गुप्ता, कार्यपालक सहायक कुमार सुंदरम, आजाद रंजन, कुंदन कुमार आदि प्रशिक्षकों द्वारा जीपीडीपी विषय पर कार्यों के सफल संचालन हेतु प्रशिक्षित किया गया।

भौतिक मेले में केवल मन को सुख मिलता है- परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज

सतसंग में आने से भटके को रास्ता (प्रभु प्राप्ति का मार्ग) मिल जाता है

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (उज्जैन): सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने बताया कि मेल-मिलाप को मेला कहते हैं। एक तो भौतिक मेला होता है, वहां मेले में नाच-गाना होता है। दुनिया की चीजों को बेचते-खरीदते हैं, खेल-खिलौने खरीदते-बेचते हैं, खाते-खिलाते हैं। वह भौतिक मेला है, वहां मन को सुख मिलता है। जब एक दूसरे से मिलते हैं तो मन प्रसन्न हो जाता है। कोई रिश्तेदार हो, हित-मित्र हो, परिवार का आदमी हो जिससे रोज मेल-मिलाप नहीं होता है और जब कभी मेल-मिलाप होता है तो मन प्रसन्न हो जाता है कि हमारे रिश्तेदार मिल गए। खाने के लिए मन को पसंद आने वाली मिठाई मिल गई। वहां पर खेल-खिलौना मिल गया, जरूरत की जरूरी चीजें मिल गई तब मन प्रसन्न हो जाता है। वह भौतिक मेला कहलाता है। और दूसरा होता है आध्यात्मिक मेला।

आध्यात्मिक मेला किसे कहते हैं?

पूज्य महाराज जी ने, नव वर्ष के अवसर पर बाबा जयगुरुदेव आश्रम-उज्जैन में आयोजित 3 दिवसीय सतसंग कार्यक्रम में आए हुए अपने अनुयायियों को बताया कि यह जो मेल-मिलाप हो रहा है, यह आध्यात्मिक मेला है। यह अन्य मेलों की तरह से नहीं है। इसमें जीवात्माएं एक दूसरे को देखती हैं और खुश होती हैं कि देखो हमारे भाई मिल गए। ये और हम एक दिन एक ही जगह पर थे लेकिन अब बिछुड़ गए हैं। अलग-अलग जगह पर इनका स्थान हो गया। कोई किसी शरीर में, किसी खानदान में, किसी जाति-मजहब में बंद कर दिया गया। तो ये होता है आध्यात्मिक मेला।

आध्यात्मिक मेला कौन लगाता है?

सतसंग में बाबा जी ने आगे बताया कि आप सब अपने-अपने शरीर के लिए ही काम करने में लगे हुए थे लेकिन कोई ऐसा जानकार (सन्त सतगुरु) मिला जिसने आध्यात्मिक मेला लगा दिया। यह है सतसंग का कार्यक्रम। जैसे आदमी किसी न किसी बहाने लोगों को इकट्ठा करता है, तीज और त्यौहार को नदियों के किनारे मेला लगता है। जहां मंदिर बना रखा है, वहां पर मेला लगता है। ऐसे ही सन्त - महात्माओं का जीवों को बुलाने के लिए, जीवों को समझाने के लिए, भटके हुए को रास्ता दिखाने के लिए कोई न कोई बहाना होता है।

सतसंग में आने से भटके को रास्ता (प्रभु प्राप्ति का) मिल जाता है।

पूज्य महाराज जी ने कहा कि गुरु महाराज की दया हुई और गुरु महाराज आपको अपने नाम के स्थान पर – 'बाबा जयगुरुदेव आश्रम उज्जैन' पर खींच करके ले आए और हम आप एक दूसरे से मिल रहे हैं, गदगद हो रहे हैं, खुश हो रहे हैं। इस बात के लिए खुश हो रहे हैं कि हम जिस रास्ते पर चल रहे हैं, अब और लोग भी उसी रास्ते पर चलने लगेंगे। अभी तक तो भटकाव था। कोई किधर जा रहा था तो कोई किधर जा रहा था और रास्ता नहीं मिल रहा था। कहा गया -

भटक-भटक सब भटका खाया।
सतगुरु बिन कोई राह न पाया।।

अभी तक जो लोग भटक रहे थे, उनको अब राह मिल जाएगी, रास्ता मिल जाएगा जिससे अपनी मंजिल तक पहुंच जाएंगे। अपने असली घर, अपने असकी देश, अपने प्रभु के पास पहुंच जाएंगे इसलिए खुशी हो रही है।

ऑल नोबिलियन्स एलुमनी असोसिएशन की पांचवीं बेंगलुरु चैप्टर पुनर्मिलन समारोह हर्ष और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): डी नोबिली स्कूल के 1973 बैच से लेकर 2020 तक के एलुम्नाई ने "ऑल नोबिलियन्स' एलुम्नाई एसोसिएशन के रीयूनियन" में भाग लिया। इस आयोजन में डी नोबिली स्कूल से पढ़े आज विभिन्न क्षेत्रों से आए, जिनमें डॉक्टर, प्रोफेसर, संगीतकार, चित्रकार, मीडिया के लोग, फैकल्टी सदस्य, प्रोफेसर, वैज्ञानिक, व्यापारी, मल्टीनेशनल कंपनी के वाइस प्रेजिडेंट, वित्तीय सलाहकार, बैंक कर्मचारी, डायरेक्टर (माइनिंग), चार्टर्ड अकाउंटेंट, सीईओ, जीएम और कई अन्य पेशेवर शामिल थे। ये सभी बेंगलुरु, मैसूर, वेल्लोर, चेन्नई, कोलकाता, धनबाद आदि शहरों से आए थे।

डी नोबिली डिगवाडिह, सीएमआरआई, सिंदरी से कुल 5 सेवानिवृत शिक्षक व शिक्षिका इस रीयूनियन में शामिल हुए, जिनमें डेरिक हैमिल्टन, अंजना पंडित, सरस्वती रमन, इला प्रसाद और रवीन्द्र कौर भाटिया से आए हुए थे।

कार्यक्रम की शुरुआत रजिस्ट्रेशन किट वितरण के साथ हुई, उसके पश्चात सभी को स्नैक्स और पेय और गुलाब फूल दे कर स्वागत किया गया। इसके बाद दीप प्रज्वलन, स्कूल प्रार्थना और उन सभी के लिए एक मिनट का मौन रखा गया जो अब हमारे साथ नहीं हैं। शिक्षकों का परिचय और उनका सम्मान शॉल, मिठाई और मोमेंटो से किया गया, इसके बाद दिलचस्प गेम से सभी को सम्मिलित किया गया। एलुम्नाई एक दूसरे के साथ अनौपचारिक ढंग से मिले और पुरानी यादें ताजा किए।

इसके बाद सभी उपस्थित को एएनए-टीजी से अवगत कराए, और दो नई पहल का उद्घाटन किया गया: 1. एलुम्नाई मेंटरशिप 2. हमारे बीच प्रसिद्ध नोबिलियन्स पर आधारित माह में एक वीडियो पॉडकास्ट।

इसके बाद २५ और ५० साल पास हुए ग्रेजुएट एलुमनाई (१९७३और १९७४ के साथ १०९८ और १९९९) बैच से केक कटिंग करवाया गया। रात्रि में स्वादिष्ट भोजन और संगीत का आयोजन हुआ, फिर स्कूल सांग गाया गया। समूह फोटो खींची गई बैच और ब्रांच को शिक्षक द्वारा मोमेंटो वितरण करवाया गया। अंत में आभार ज्ञापन किया गया।

डी नोबिली स्कूल डिगवाडी, सीएमआरआई, मुगमा, सिंदरी, सिजुआ और सीटीपीएस के एलुमनी ने अपना भाग लिए। आंख नम हुई और फिर अगली बार मिलने का वादा किया। यह आयोजन में सालों की उपलब्धियों और सदस्यों के बीच सामाजिक और पेशेवर नेटवर्किंग को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण अवसर मिला है। इस मीट में नोबेलियंस को एक मंच प्रदान किया गया है, जहां पुरानी यादों को ताजा करने, अनुभवों को साझा करने और नए रिश्ते बनाने का अवसर मिलते आया है।

आज के आयोजन को सफल बनाने मे एलुमनी के संस्थापक सदस्य मयंक सिंह के साथ सुधीर ब्रह्मा, शामिया आफताब, श्वेताभ वर्मा, चिरंजीव भाया, निशत फातमा, एडविन विशाल केरकेट्टा, सोनल चटर्जी, सुरवी भाया, विवेक त्रिवेदी इत्यादि ने किया। एलुमनी द्वारा चलाया जा रहा ये प्लेटफार्म शुरूआती से अपने सेवानिवृत प्रशिक्षको को मदद, आदर सत्कार मे तत्पर रहा है, साथ ही अपने मित्रगण और एलुमनाई को एक साथ जोड़ने के लिए बहुतों का साथ पाया है।

साहित्य की सच्ची साधिका थीं- पुष्पा प्रियदर्शनी 'पुष्प'

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (धनबाद): जीवन के निरंतर प्रवाह में समय की धारा से कोई भी बच नहीं सकता। जिस क्षण हम इस संसार में पदार्पण करते हैं, उसी क्षण से मृत्यु का आगमन तय हो जाता है। यह जीवन का स्वाभाविक चक्र है, जिसमें हर एक उत्पत्ति को एक दिन अपने स्रोत में विलीन होना होता है। जैसे एक नदी अपनी यात्रा समाप्त कर सागर में मिल जाती है, वैसे ही हर अस्तित्व को अपने प्रारंभिक स्थान पर लौटना पड़ता है। चाहे वह व्यक्ति हो, या कोई अन्य जीव, या फिर ब्रह्मांड की कोई भी संरचना, सभी को एक न एक दिन उसी स्थान पर लौटना होता है, जहाँ से उनका उदय हुआ था। फिर भी इस सत्य को स्वीकार करना अत्यंत कठिन हो जाता है, जब जाने वाला व्यक्तित्व, साहित्य, कला, संस्कृति एवं समाज के उत्थान का सच्चा साधक हो और जिसका विराट सफर अभी बाकी हो। साहित्य की सच्ची साधिका, धनबाद की सुप्रसिद्ध कवयित्री और छंदकारा, पुष्पा प्रियदर्शनी का असमय निधन मन को गहरी पीड़ा देती है। मन को यह सत्य स्वीकार ही नहीं होता कि 'साहित्य की पुष्प' पुष्पा प्रियदर्शनी को प्रकृति ने अपने में विलीन कर लिया। मात्र छियालीस वर्ष की आयु में इनका निधन हो गया। किंतु इतने कम जीवन काल में अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से साहित्य और समाज में जो अमिट छाप छोड़ी, वह आज के नवोदित साहित्यकारों के लिए एक प्रेरणा है, जिसे कोई भी नहीं भूल सकता।

प्रियदर्शिनी पुष्पा का जन्म 17 अप्रैल 1979 को बिहार के बांका जिले के विष्णुपुर में हुआ था। उनके पिता स्व. आचार्य महेंद्र प्रसाद मनु और माता श्रीमती मणिमाला प्रसाद के सानिध्य में उन्हें साहित्य और संस्कृति के प्रति गहरी रुचि उत्पन्न हुई। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा गांव में ही प्राप्त की और इसके बाद 'संस्कृत-साहित्य और संस्कृत व्याकरण' में आचार्य की डिग्री हासिल की। शिक्षण के प्रति अपनी विशेष रुचि को देखते हुए उन्होंने बी.एड. किया और साथ ही रेडियो ब्रॉडकास्टिंग में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा भी प्राप्त किया। वर्ष 2004 में, प्रियदर्शिनी पुष्पा का विवाह बरौनी, बिहार निवासी शिक्षाविद् और साहित्यकार डॉ. श्याम किशोर प्रसाद से हुआ, जिन्होंने उनके जीवन एवं साहित्यिक सफर में हमेशा एक सच्चे साथी के रूप में सहयोग दिया। उनके दो बच्चे हैं, एक पुत्री श्यामभवी और एक पुत्र अथर्व। प्रियदर्शिनी पुष्पा का कैरियर साहित्यिक और शैक्षिक दोनों ही दृष्टियों से अत्यंत समृद्ध रही है। वे वर्तमान में एम. आर. एस. प्रा. सह. मा. सं. विद्यालय, विष्णुपुर, शंभुगंज, बांका, बिहार में शिक्षिका के रूप में कार्यरत थी। इसके साथ ही, वे अंगिका भाषा में लेखन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से भाग लेती रही। साहित्यिक दृष्टि से उनका योगदान

विविध है। उन्होंने "पुष्प की अभिलाषा" नामक एकल काव्य संग्रह, चार साझा संकलन और विभिन्न महाकाव्य ग्रंथों में सह रचनाकार के रूप में योगदान दी हैं। वे "जनरामायण", "कृष्णायण" और "शिवमहापुराण" के तहत महाकाव्य ग्रंथों में प्रसंग लेखन के लिए प्रसिद्ध हैं। साहित्यिक लेखन के साथ –साथ राष्ट्रीय -अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विविध साहित्यिक, कला एवं संस्कृति से जुड़े मंचो पर कविता वाचन करती थीं एवं अपने विशेष वाचन शैली के कारण सहज श्रोताओं से जुड़ जाती थीं।

पुष्पा प्रियदर्शनी का लेखन छंदबद्ध कविता और धार्मिक साहित्य से जुड़ा हुआ है। उनके लेखन को भारतीय साहित्यिक परंपरा से जोड़ा जाता है और उनकी रचनाएँ देश-विदेश के प्रतिष्ठित संकलनों में प्रकाशित हुई हैं। उनकी काव्य रचनाओं में 2000 से अधिक दोहे और 50 से अधिक छंद सम्मलित है। साहित्य एवं संस्कृति के प्रति उनकी सेवा एवं उत्कृष्ठ योगदानों को लेकर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के द्वारा कई सम्मान और पुरस्कार प्रदान किए गए। 'जनरामायण अखंड काव्यार्चन' के सहसंपादक रही पुष्पा की यह संकलन 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में सम्मलित किया गया है। इसी प्रकार 'कृष्णायण अखंड काव्यार्चन' के तहत इन्हें 'कृष्णायण लेखन के सम्मान' से सम्मानित किया गया। छंदबद्ध भारत का संविधान में 'स्वप्रसंग लेखन', बिलासा छंद महालय के तहत 'प्रथम नवरत्न' में शामिल किया गया।

वहीँ अखिल भारतीय काव्यमंच छंद: शाला संस्था के द्वारा छांदस सृजन साहित्य में ऋषि पिंगल काव्य साधना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही साहित्य सेवा में अग्रणी भूमिका के लिए साहित्योदय सम्मान, पूर्वोदय साहित्यिक संस्थान सम्मान, ब्रेनवेयर युनिवर्सिटी कोलकाता के द्वारा सम्मान, राष्ट्रीय कवि संगम संस्थान सम्मान, विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ से 'विद्या वाचस्पति' का 'मानद सम्मान' से नवाजा गया ।
11 जनवरी 2025 को प्रियदर्शिनी पुष्पा का आकस्मिक निधन हो गया, जो साहित्य जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनका असमय जाना साहित्य प्रेमियों और समाज के लिए एक गहरा शोक का कारण बना हुआ है। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज को एक समृद्ध साहित्यिक विरासत दी। उनकी रचनाएँ समकालीन समाज के ज्वलंत मुद्दों को न केवल रेखांकित करती हैं, बल्कि समाधान की दिशा भी प्रदान करती हैं। भारतीय संस्कृति में मूल्यों के गिरावट को वे गंभीरता से समझती थीं, और यही कारण है कि उनकी रचनाओं में सार्वभौमिक मूल्यों, भारतीय संस्कृति के जागरण, मानवता, प्रकृति और मानव संबंधों पर गहरा प्रभाव देखने को मिलता है। आज जब साहित्य समाज को उनकी जैसी सशक्त आवाज़ की आवश्यकता है, उनका आकस्मिक निधन साहित्य जगत के लिए एक बड़ा आघात है। साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में प्रियदर्शिनी पुष्पा का योगदान अनमोल है। आज, साहित्य समाज की यह प्रमुख जिम्मेदारी बनती है कि हम उनके बहुमूल्य योगदान को उचित स्थान प्रदान करें, ताकि उनकी रचनाएँ और विचार सदियों तक प्रेरणा का स्रोत बनी रहें। उनका लेखन, जो मानवता, भारतीय संस्कृति और सार्वभौमिक मूल्यों के प्रति उनके गहरे प्रेम को दर्शाता है, आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बने, यही साहित्यिक समाज का महत्वपूर्ण दायित्व है।

लेखक : डॉ रामचंद्र कुमार
सहायक प्राध्यापक
शिक्षाशास्त्र विभाग
आर.एस.पी.कॉलेज, झरिया, धनबाद
(झारखण्ड)

प्रिय वर्ष- २०२४

भाग-2

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी 2025: जबकि इसे सफलता का प्रथम सोपान मान कर आगे बढ़ने वाले आशावादी, न केवल सफलता का सही से परचम लहराते हैं बल्कि अपनी अलग ही अनुकरणीय अमिट लीक खींच देते हैं। हमारे जीवन में अकस्मात आई आपदा-विपदामय परिस्थितियों के अवतरण आदि-आदि हर बात से हमें नाना अनुभव क्षण-क्षण जीवन में मिलते ही तो रहते हैं। हमारे ज्ञान में वृद्धि कण-कण वे भी तो करते ही करते हैं। हमारे जीवन में ज्ञान प्राप्ति अनुभव बटोरने की कला है, वह चाहे भला किसी भी स्रोत से आता हो। हमारे जीवन में हर ज्ञान हमारी रिक्तता का कोना भरता है। वह चाहे अनंदित करने वाला स्रोत हो, चाहे कभी-कभी रोना आ जाता हो। अत: वही मानव मतिमान है जो अच्छी-बुरी हर परिस्थिति से ज्ञान बटोरता रहता है। हम साथ में चिन्तन कर एक तलपट बनायें कि हमारे द्वारा विगत वर्ष में दरअसल कितनों के संग संबंध सुधरे वह हमसे प्यारे कितने दूर हो गए। वह हमारे अहं भाव में इस बारह मास की कालावधि में किस-किस से हमारी किसी बात पर ठन गई। वह हम आगे की भी पूरा चिन्तन करके संकल्पबद्ध हो उसके लिए सूची बनायें कि हमको क्या कुछ करना है। हमको चाहे कितनी ही बाधाएँ आयें हमें अपने प्रण पर दृढ़ रहना है। हमको केवल भौतिकता का ही चिन्तन नहीं करना है बल्कि आध्यात्मिकता में भी आगे बढ़ना है। मानव जीवन एक संघर्ष की गाथा है, संघर्ष करते मनुष्य के सामने अनेक संकट आते है और उनमें सफलता भी मिलती है, जो लोग डर कर संघर्ष करना छोड़ देते है, तब संकट अधिक गहरा जाते है और उन पर विजय पाना कठिन हो जाता है, अतः हमको संकटों से घबराने की जरूरत नहीं, उनसे निपटने का सही से विचार दृढ़ संकल्पित करना चाहिए। हमारे जीवन की बहुत लम्बी यात्रा होती है। हमारे मन में कभी असफलता का दुःख तो कभी अप्रत्याशित घटनाओं के कारण व्यथित होता रहता है। वह मन में बहुत कौशिश करने के बाद भी ना भुलाये जाने वाली दुःख भरी दास्तान हो जाती है जो जीवन में प्रगति और मानसिक शकुन में बाधक बन जाती है, जीवन में मिलने वाली सफलता व असफलता का वास्तव में कोई रूप नहीं है, यह तो मात्र अनुभव है, (क्रमशः आगे)

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

वैसे तो मैं--------

वैसे तो मैं-------------------,
बहुत ही मतलबी हूँ,
और अपना स्वार्थ ही देखता हूँ ,
किसी के दुःख, बर्बादी, जख्मों पर,
झूठी तसल्ली देना मेरी आदत है,
लेकिन मेरी रूह क्या आदेश देती है मुझको,
तुमको बताकर भी क्या करूंगा मैं।

वैसे तो मैं--------------------------,
शौकीन हूँ कोई भी अवसर नहीं छोड़ने का,
आमोद प्रमोद का जीभर लुफ्त लेने का,
अपनी आर्थिक प्रगति के शिखर को छूने का,
किसी भी हद को पार कर जाने का
मगर किसी वक़्त मैं हो जाता हूँ गुम,
किसी को याद करके उसके ख्यालों में,
वह कौन है, कैसे बताऊँ तुमको।

वैसे तो मैं--------------------,
मानता हूँ इस संसार को खुदगर्ज,
मुझको नफरत है आदमी के कृत्रिम मुखौटों से,
किसी के आँसू, दुःख और सम्मान से,
मैं किसी का गुलाम नहीं होना चाहता,
लेकिन तुमसे तो मेरा वास्ता और मोहब्बत पवित्र है,
इसमें कोई संदेह नहीं।

वैसे तो मैं--------------------------------।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़
जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

मंज़िल और सफर

सुनसान सड़क पर
दूर तक सन्नाटा
चलते कदमों की आहट
खयालों में चलना
कि इस खामोशी में
कहीं से खुले यादों का पुलिंदा
जिसमें फिर से
जी लूं जिंदगी
और पा लूं उन लम्हों की
खुशी फिर से
खामोश सा आसमान
हवा में सर्दी का एहसास
अनजाने सफर में बढ़ते कदम
मधुमक्खी के छत्ते बने ख्यालात
अनसुलझे पहेली सी सोच
मन थकता नहीं सोच सोच कर भी
सिर्फ चलने भर से थक जाता है तन
फिर भी अकेला सफर जारी है
तलाश में खुशी की
मंज़िल पाने से अधिक
सफर में सुकून आता है

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम
कोलफील्ड मिरर

वर्तमान आधुनिक प्रौद्योगिकी डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियों से दूर, सकारात्मक सोच रखना सफ़लता की कुंजी है

तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा-आओ मन को सकारात्मक सोच में ढालें

जीवन में हम जैसा सोचते हैं, वैसा हमारा मन हो जाता है, जो सशक्त और शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है, इसमें विश्वास आशा और सुंदर विचारों को रखें- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में भारत मान्यताओं कहावतों, पुराणों पंक्तियों, धार्मिक गाथाओं बलि रीति रिवाजों अंकगणित के अंकों सहित अनेक सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पर आदि अनादि काल से चलता आ रहा है। पौराणिक काल से ही भारत में यह प्रथाएं चलती आ रही है। परंतु हम कुछ दशकों से देख रहे हैं अनेक कुप्रथाओं और नकारात्मक सोच वाली कुछ गतिविधियों पर शासकीय स्तरपर कानून बनाकर, या कुछ प्रथाओं को सामाजिक व्यक्तिगत या घरेलू स्तर पर बंद करने की कोशिशें की गई है। परंतु अभी भी कुछ कुप्रथाओं या विपरीत नकारात्मक सोच शुरू है जिन्हें शासकीय या सामाजिक स्तरपर बंद नहीं किया जा सकता। केवल जनता जनार्दन ने जन जागरण अभियान चलाकर ही बंद किया जा सकता है जिसमें सबसे महत्वपूर्ण कहावत 3 और13 के आंकड़े की है, जिसे अशुभ माना जाता है हालांकि इन आंकड़ों के कई सफलताओं की गाथाओं में से सबसे अच्छा उदाहरण हमारे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जीवन में 3 और 13 का महत्व है। उनकी राजनीत सफलताओं में 13 मई 1996 को पहली बार पीएम की शपथ लिए, 13 दिन बाद सरकार गिरी, दोबारा 13 महीने बाद पीएम बने, तीसरी बार पीएम बने तो 13 दिनों की साझा सरकार थी। 13 अप्रैल 1999 को शपथ ली तो पूरे 5 साल चली। 2004 के चुनाव में 13 अप्रैल को ही नामांकन भरा, इस प्रकार 13 का आंकड़ा उनके जीवन में साए की तरह चलता रहा। इन आंकड़ों के अनेक सफलताओं के भावों को देखा जा सकता है। इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि आओ मन को सकारात्मक सोच नहीं ढालें।

साथियों बात अगर हम तीन तिगड़ा काम बिगड़ा वाली कहावत की करें तो, वर्तमान आधुनिक डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियां से दूर सकारात्मक सोच रखना सफलता की कुंजी है। हम 3 या 13 के आंकड़े से डरते हैं या उससे दूर भागने की कोशिश करते हैं, अशुभ मानते हैं परंतु हम अगर तीन के सकारात्मक दृष्टिकोण और अपने मन को सकारात्मक सोच में ढालें तो सफ़ लता की गाथाएं हमारे जीवन से जुड़ जाएगी।

साथियों बात अगर हम 3 पर सकारात्मक सोच की करें तो, इसके पीछे की सच्चाई यह है कि कुछ लोग हमको अंधविश्वास में विश्वास दिलाना चाहते हैं जबकि ऐसा कुछ होता ही नहीं कोई संख्या किसी काम को निर्धारित नहीं करती ना ही उसके भविष्य को, अगर हमको लगता है कि 3 लोग किसी काम को मिलकर कर रहे हैं तो वह काम गड़बड़ हो जाएगा तो यह हमारी गलतफहमी है इसे दूर कर अंधविश्वासों से दूर रहें और सकारात्मक सोच वाले कुछ उदाहरणों को देखें। अखिल सृष्टि के देवता, तीनों देव ब्रह्मा, विष्णु और महेश की संयुक्त मूर्ति अधिकतर तस्वीरों में मिलती है। लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती भी तीन हैं। शंकर जी भोले बाबा का तिलक तीन रेखाओं में और त्रिशूल भी तीन शूलों से बना होता है। जब भी हम मंदिर में जाते हैं, तो तीन परिक्रमा के लिए ही कहा जाता है। पूजा के बाद आरती भी तीन बार लेकर भक्त जन प्रफुल्लित हो जाते हैं।पूजन करते वक्त मुख शुद्धि के लिए तीन बार आचमन किया जाता है और तीन ईष्टदेव, कुलदेव और स्थानदेव का ध्यान किया जाता है। हमारी उंगलियों की तरफ ध्यान से देखें तो प्रत्येक उंगली के पोर में तीन रेखाएं होती हैं। खेल प्रतियोगिता में भी प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को ही घोषित किया जाता है। जल को भी तीन भागों में भी बांटा जाता है ठोस, द्रव और गैस। समय को भी तीन कालों में बांटा गया है वर्तमान काल, भूतकाल और भविष्यकाल। सिगनल भी तीन होते हैं, लाल, पीला और हरा। घड़ी की सुईंया भी तीन होती हैं। हम गौर करें कि हम गाड़ी से सफर कर रहे होते हैं, वहां भी तीन स्लीपर बर्थ होती हैं, लोअर, मिडल और अपर। जब दौड़ शुरू की जाती है तो उसका प्रारंभ भी तीन गिन्ने के बाद शुरू होता है। हमारे देश में या और अन्य देशों में भी सेनाओं को तीन भागों में बांटा गया है जल सेना, थल सेना और वायु सेना। नदियों का संगम भी तीन नदियों से ही होता है। त्रिदेव का स्मरण करके अपने ईष्टदेव की पूजा करते समय तीन अगरबत्ती जलाने को शुभ माना जाता है। मौसम भी तीन होते हैं-सर्दी, गर्मी और बरसात। आज भी हम स्नेह मिलन तीन बार करते हैं। पूरे विश्व में त्रिगुनात्मक शक्ति सर्वोपरी मानी जाती है। मानव जीवन में भी मुख्य तीन अवस्थायें होती हैं बाल्यकाल, यौवन अवस्था और वृद्धावस्था।

साथियों तीन का प्रभाव सकारात्मक व नकारात्मक दोनों ही दृष्टि से हमारे जीवन पर प्रभाव डालता है। इसलिये हमें कभी भी नकारात्मक सोच नहीं रखनी चाहिये क्योंकि हम जैसा सोचते हैं हमारे जीवन में वैसा ही होता है। हमारा मन सबसे सशक्त व शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है, इसमें विश्वास, आशा व सुंदर विचारों को रखना चाहिये।

साथियों बात अगर हम 3 पर नकारात्मक सोच की करें तो, शंकर भगवान को विनाशकारी कहा जाता है क्योंकि उनके तीन नेत्र हैं।जब किसी व्यक्ति को गलत काम करने पर डांटा जाता है तो उसे थर्ड क्लास कहा जाता है। मुस्लिम धर्म में तीन बार तलाक-तलाक-तलाक बोलने पर तलाक हो जाता है, जिसपर अभी कानून बन गया है। पुलिस थर्ड डिग्री के आधार पर अपराधी से अपराध स्वीकार करवाती है जो अत्याधिक पीड़ादायक है। शरीर में स्वास्थ्य बिगडने की सबसे बड़ी समस्या वात, पित्त और कफ मानी जाती है।किसी भी घर में गणेश जी की तीन मूर्तियां रखना शुभ नहीं माना जाता है।तृतीय श्रेणी की नौकरी को अच्छा नहीं माना जाता है इसे सम्मानित दृष्टि से नहीं देखा जाता है। यहां लोग तीन तिगड़ा काम बिगड़ा वाली सोच का संज्ञान लेते हैं जो एक नकारात्मक सोच है इसे बदलकर सकारात्मक सकारात्मक सोच में लाना चाहिए।

साथियों एक से दस तक के अंको में तीन अंक खास है, हमारे जीवन में सम और विषम अंक दोनो ही काफी महत्व रखते हैं, कभी-कभी तीन अंक को लेकर सकारात्मक और नकारात्मक सोच पर अच्छी खासी बहस हो जाती है। जैसे तीन सदस्यों को एक साथ घर से शुभ काम के लिए नहीं निकलना चाहिए। देखा जाए तो तीन अंक को काफी शुभ माना गया है। पूजन के बाद हम आचमन करते हैं, तो पंंडित तीन बार हमारी अंजली में पवित्र जल प्रदान करते हैं।

विचारों की माला तो
विश्वास के फूलों से बनती है,
यदि इसमें प्रेम रस भरा हो तो
सारे जहां की खुशी मिलती है ।
अगर मन की धड़कती आवाज
सुनने की आदत हो तो
दिल की कही हर बात भली लगती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि तीन तिगड़ा काम बिगड़ा, आओ मन को सकारात्मक सोच में ढालें, वर्तमान आधुनिक डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियां से दूर सकारात्मक सोच रखना सफ़लता की कुंजी है। जीवन में हम जैसा सोचते हैं वैसा हमारा मन हो जाता है जो सशक्त और शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है, इसमें विश्वास आशा और सुंदर विचारों को रखें।

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

परभाती की राम-राम संग्रह मालवी बोली के हीत में

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी 2025: परभातीकी राम -राम संग्रह में (नारायणी माया) माया मालवेंद्र बदेका जी ने मालवी बोली में कही-"बड़ी -बड़ी रचना को भोत मेहत्व होय पण नानी-नानी, छोटी- छोटी वांता भी भोत असर करे है| नानी -नानी सी वात से एक छोटी सी कोसिस है अपणी मालवी बोली के आगे बरसो तक पेचान रखने में आगे बढ़ावा की| "वही मुकेश इंदौरी ने संपादकीय पृष्ठ्भूमि कुछ यू मालवी बोली के पक्ष में लिखी -मालवी बोली के बचाणे सारू तन-मन-धन से कतराई वर ती (बरसों से) लगी है| वा मालवी के वास्ते ज जीवी री है| हर घडी इनी चिंता में ज लगी रेवे कईतर मालवी बोली के बचावां| उनकी उनकी या तपस्या, साधना एक दण जरूर फलेगा ने मालवी बचेगा"| बहुत अच्छी कामना करी| डॉ विकास दवे ने माया जीजी के लिए जो काव्य पंक्तिया लिखी वो उनके जीवन का सार है- भोर के राग सी कोमल परभातियाँ और गंगाजल सी निश्छल मेरी माया जीजी"| प्रभातियाँ मालवी बोली के उन्नयन का कार्य है एवं उसके संरक्षण के लिए किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण विषय है| दवे जी के माया जीजी के पक्ष में जो लिखा वो स्तुतेय है| प्रो शैलेन्द्र कुमार शर्माजी ने शुभकामना संदेश में बड़ी अनमोल बात माया जी लिए कही- "नए मीडिया के जरिये उन्होंने मालवा के घर -आँगन में प्रचलित परभाती की परम्परा को लेकर काव्यात्मक नवाचार किया है"| परभाती की संख्या 310 है| राम-राम सा से शुरू होने वाली सभी परभाती मालवी बोली का सत्कार लिए अपनी बात विभिन्न विषयों को लेकर प्रेरणा देती है| राम- राम सा.." सांचा गुरु जो मिले, तो जीवन सफल होय|

सतकरम की सीख दे,संत गुरु ज्ञानी कोय ||
राम -राम सा ...कदी -कदी तो सुणो राम जी ,माथा पे राखो हाथ |

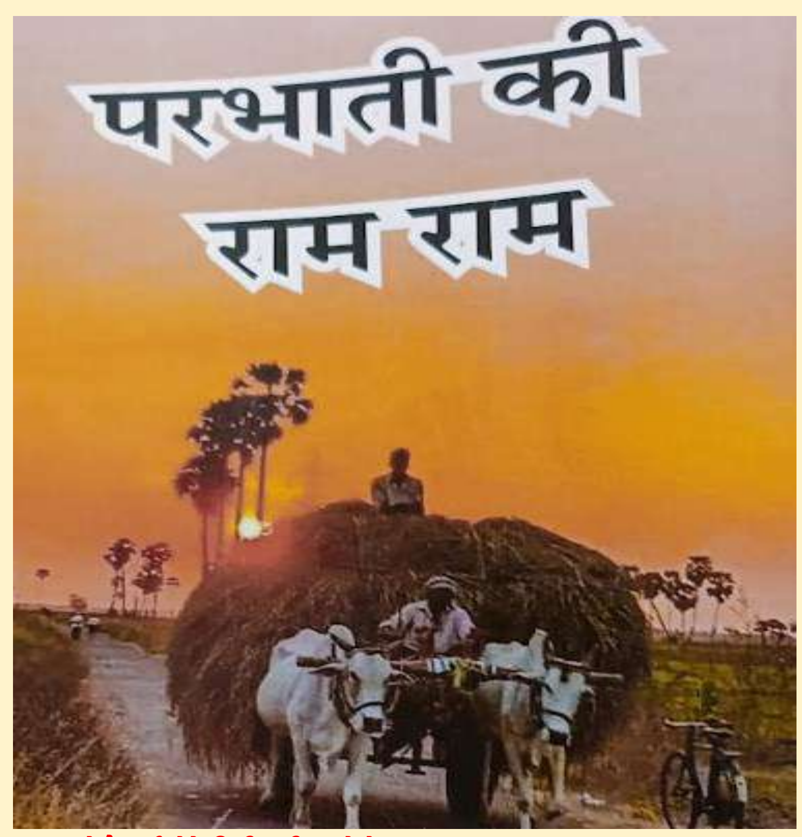

जग में वैर नई होवे मिली जुली सब रे वे साथ ||
राम -राम सा .... धरती बैठ्या पामणा ,कदी नी विसराय |
मखमल गलीचे बेठाडो ,वी घणा इतराय ||
राम -राम सा ... चंदा ने चाँदणीया आखी रात |
नैण खुला रया सखी हुई नेणा से वात ||
चकोर बोले कदी नी जोया करे जी मुख |
दूरा ती निरखी -निरखी पावे अनुपम सुख ||

ऐसी कई सुंदर परभाती संग्रह में समाहित है| ये परभाती आने वाली पीढ़ी को मालवी बोली, संस्कृति, सभ्यता के संस्कार देगी| परभातियाँ को देखे तो मुखड़ा कही -कही गीत की और इशारा करते है यदि अंतरा मालवी में होता तो ये सम्पूर्ण गीत कही कही बनता नजर आता| उल्लेखनीय है की आने वाली मालवी बोली की फिल्म में माया जीजी के गीत है जो बड़े परदे पर आने वाले समय में सुनेगे और देखेंगे|

मालवी कवित्री का नाम साहित्य क्षेत्र में मालवी बोली की साहित्य की विधा में मधुर व्यवहार से अपनी अलग पहचान बना चूका है। मिलनसार व्यक्तित्व से साहित्य कृतियों को उपहार स्वरूप देकर, मीठी वाणी से मालवा की मिठास का और भी मान बढ़ाने में अपनी अहम भूमिका निभाता आ रहा है। आपकी मालवी बोली की सतत साहित्य सेवा के लिए हार्दिक बधाई| अपनी बात को इस तरह से कहती है कि उससे संग्रह की पठनीयता की गहराई में साहित्य उपासक जाकर विचारों के मंथन से खुबिया, प्रेरणादायक शब्दों को परख कर को और भी बेहतर बनाने का कार्य माया मालवेन्द्र बदेका द्वारा किया है। प्रशंसनीय है। मालवी बोली की वरिष्ठ साहित्यकार नारायणी माया मालवेंद्र बदेका का मालवी रचनाओं का संग्रह लोकभाषा के आधार को मजबूत करता ही है साथ संग्रह मन में भी मिठास घोल देता है| मालवी बोली की तासीर का असर है| मीठी बोली ऐसी की मानों शहद घुली हो| बोलियों को बचाने में ये अंक महत्व पूर्ण भूमिका अदा करता है| माया मालवेंद्र बदेकाजी बातचीत की सादगी उनकी रचनाओं में झलकती है| झलक निगम सांस्कृतिक न्यास उज्जैन प्रकाशक ने एक नई छाप छोड़ी है| परभाती की राम -राम संकलन मालवी बोली के हीत में अपना परचम अवश्य लहराएगा| यही शुभकामनाएं है|

संकलन- परभाती की राम -राम
प्रकाशक एवं मुद्रक -श्री विनायक प्रकाशन इंदौर
लेखिका -माया मालवेंद्र बदेका
74, अलखधाम नगर इंदौर रोड़ ,उज्जैन मप्र

समीक्षक -संजय वर्मा 'दृष्टि'
मनावर (धार) मप्र

युवा दिवस पर विभिन्न संस्थाओं ने सम्मानित किया युवा कवि डॉ. राजीव डोगरा को

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी 2025: जैसे कि हम जानते हैं कि 12 जनवरी को पूरे भारतवर्ष में स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इसी उपलक्ष्य में नेहरू युवा केंद्र धर्मशाला, स्वामी विवेकानंद कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर तकीपुर, मनम फाउंडेशन आंध्र प्रदेश, शांति फाउंडेशन गोंडा उत्तर प्रदेश ने कांगड़ा के युवा कवि लेखक डॉ राजीव डोगरा को साहित्य तथा शिक्षण में बेहतरीन कार्य करने के लिए सम्मानित किया।मनम फाउंडेशन ने नेशनल यूथ आइकॉन अवार्ड 2025, शांति फाउंडेशन ने स्वामी विवेकानंद प्रतिभा गौरव सम्मान देकर सम्मानित किया। राजीव डोगरा ने स्वामी विवेकानंद कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर तकीपुर के अध्यक्ष प्रवेश देओल का, मनम फाउंडेशन के अध्यक्ष एडवोकेट डॉ. के चक्रवती का, शांति फाउंडेशन के अध्यक्ष सुनील आनंद का धन्यवाद किया।

संजय वर्मा दृष्टि को काव्य विभूति सम्मान

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी 2025: सोशल मीडिया पर माँ शारदे काव्य मंच परिवार द्वारा आयोजित काव्य प्रतियोगिता में मनावर जिला धार मप्र के संजय वर्मा "दृष्टि" जिन्होंने प्रदत्त विषय- "माँ दिल की बस्ती" पर अपनी उत्कृष्ट रचना को मंच पर सांझा किया जाकर सर्वश्रेष्ठ उत्तम सृजन कर काव्य विभूति सम्मान प्राप्त किया। सम्मान पत्र मंच के अध्यक्ष-ओंकारसिंह चौहान, मुख्य संरक्षक -सोहनलाल शर्मा प्रेम, मुख्य सलाहकार-डॉ मोहन सिंह कुशवाह, संरक्षक-डॉ अमेन्द्र कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष-त्रिलोकचंद्र शर्मा, संरक्षक-राघवेन्द्र कुमार शर्मा, सचिव-उमानाथ त्रिपाठी, संस्थापक-किशोर सैनी महासचिव -बाबूलाल वर्मा, द्वारा प्रदान किया जाकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संजय वर्मा "दृष्टि" को अब तक 613 राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। 50 वर्षो से देश विदेश की पत्र पत्रिकाओं में निरंतर इनकी रचनाओं का प्रकाशन होता हो रहा है। इनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड में तीन बार दर्ज है। स्टार बुक से भी सम्मानित है।

टुकड़े-टुकड़े हुआ विपक्षी गठबंधन भाजपा के लिए सुनहरा अवसर दिल्ली विधानसभा में

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी 2025: केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का कहना है कि पिछले साल हुए कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव में जिस तरह से विपक्षी दलों के गंठबंधन का एक एक करके हर राज्य में हार का सामना कर घमंड चूर हो रहा है उसे देखकर यही लगता है कि आज हर राज्य में विपक्ष के नाम पर अब कोई बड़ी पार्टी नहीं रही है जो राष्ट्रीय पार्टी भारतीय जनता पार्टी का सामना कर सके। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी इसी भारतीय जनता पार्टी की केंद्र में मोजूद मोदी सरकार के एक प्रमुख मंत्री है। फिर अभी हाल में हि पिछले साल हुए महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव में जहां पर एकबार फिर भारतीय जनता पार्टी ने विपक्षी दलो के गठबंधन को हराकर वहां सत्ता प्राप्त की थी तब इसी बात को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमितशाह का कहना था कि जो विपक्षी गठबंधन केंद्र में सरकार बनाने के सपने देख रहा था वह आज न केवल केंद्र में सरकार बनाने में असफल हुआ है बल्कि हर राज्य के होने वाले विधानसभा चुनावों में भी उसकी हालत लगातार खराब होती जा रही है। फिर अब इस साल के आरम्भ में फरवरी में दिल्ली विधानसभा चुनाव के चुनाव होने जा रहे हैं, एवं लोकसभा का चुनाव लडा विपक्षियों का महा गठबंधन जो हर राज्य में मिल रही हार के कारण अब तक काफी टूट चुका है एवं दिल्ली विधानसभा चुनाव में तो कि इस गठबंधन का हर दल अब अलग-अलग होकर एक दूसरे के खिलाफ भी चुनाव लड़ रहा हैं अतः तब हमें तो यही लगता है कि इस दिल्ली विधानसभा चुनाव में बिखरा बिखरा हुआ यह विपक्ष गठबंधन जो एक दूसरे के खिलाफ भी चुनाव लड़ रहा है वह अब भारतीय जनता पार्टी का सामना किस तरह कर पाएगा।

एमएम राजावत "राज"
न्यू रोड, शाजापुर

नया जन्म

कोलफील्ड मिरर 19 जनवरी 2025: लेबररूम से बाहर निकलते ही डॉ. सुबोध मरकाम जी बोले- 'भरत लाल! बधाई हो। तुम बाप बन गए। जाओ मिल लो। बड़ी मुश्किल से डिलीवरी निपटी है। सब ठीक है। जाओ। दो जने का जन्म हुआ है।'

'भरत लाल की खुशी का ठिकाना न रहा। कमरे में गया। नवजात को देख उसे आश्चर्य हुआ। नर्स से पूछा- "एक कहाँ है सिस्टर?'

'क्या... कौन....?' नर्स ने नवजात को इंजेक्शन लगाते हुए कहा।

'मेरा दूसरा बच्चा?' भरत लाल ने अपनी बात दुहराई- 'डॉक्टर साहब ने तो तो दो जने का जन्म होना बताया है।'

नर्स डॉक्टर की बात समझ गयी। बोली- 'ठीक तो बोले डॉक्टर साहब।'

'फिर दूसरा...?' इधर-उधर देखते हुए भरत लाल बोला।

'वह तो है ना...।' नर्स ने अर्धचेतना अवस्था में पड़ी ज्योति की ओर इशारा किया। तभी भरत लाल की नजर नवजात व परेशान लेबर स्टाफ पर गयी। भरत लाल तुरंत ज्योति से लिपट गया।

टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'